राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

परिसर विज्ञान

FREE

हम - हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

Environmental Studies (Hindi Medium) Class-III

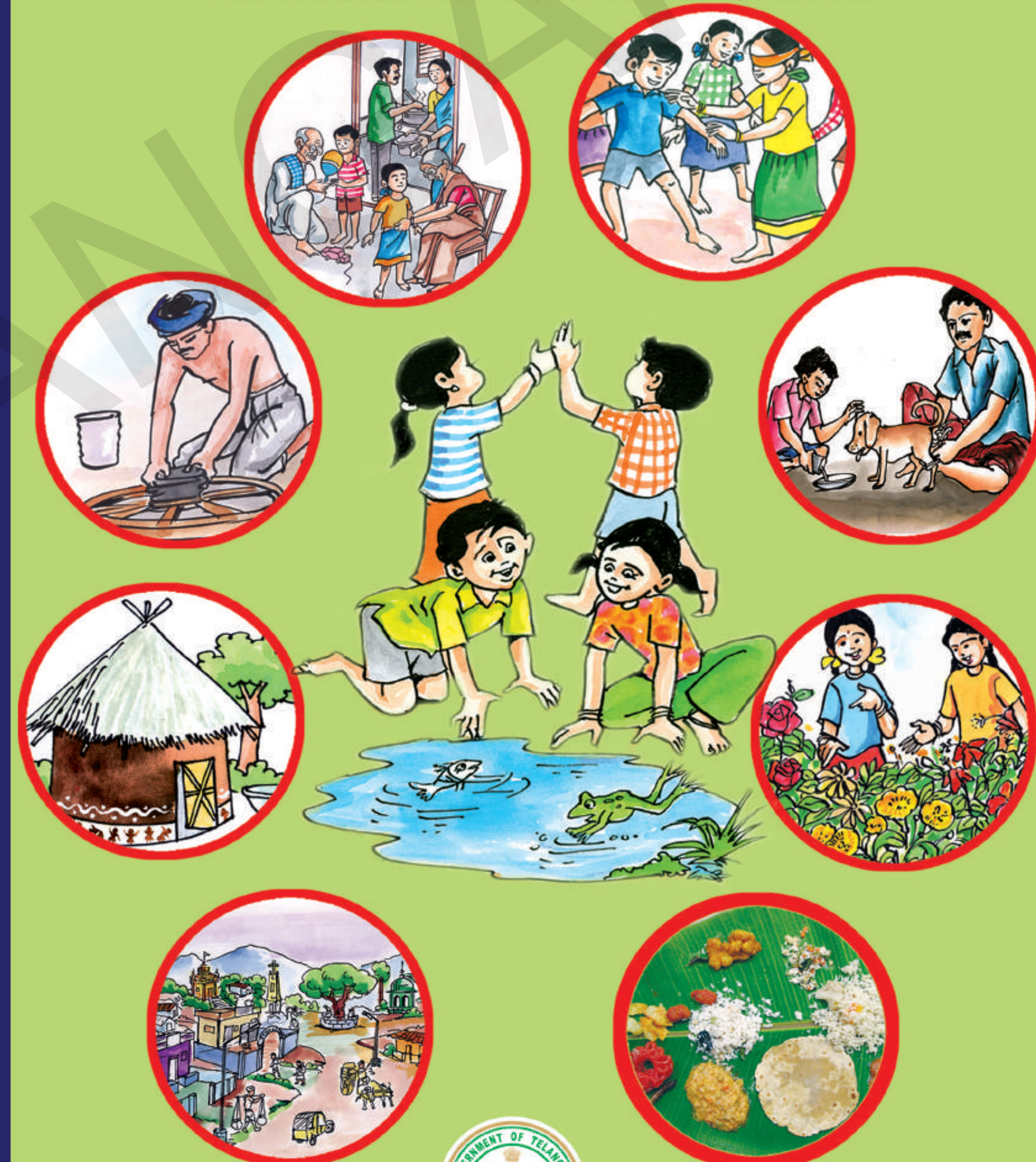

तेलंगाणा सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

ये चित्र जहाँ पर हों, वहाँ पर इस तरह करो।

अध्यापिका की बात ध्यान से सुनो–सोच, समझकर उत्तर दो

मित्रों के साथ मिलकर करने वाला कार्य

तुम्हारे अकेले करने का कार्य

विषय की समझ

चित्र उतारो–रंग भरो

समाचार कौशल – परियोजना कार्य

प्रशंसा

प्रश्न करना

करके दिखाओ–बताओ

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

मेरा मन चाहा बदलाव मुझसे ही होगा

1. *हमेशा अपने साथ एक थैली रखूँगा। बाज़ार में दिये जाने वाले पॉलिथिन थैली मना करूँगा।*
2. *पंप (नलकूप/अन्य स्रोत) से सीधे पानी का इस्तेमाल न करते हुए, आवश्यकतानुसार बर्तनों में पानी पकड़कर, पानी की बर्बादी को रोकूँगा।*
3. *बिजली की बचत कर, प्रतिमाह बिजली के बिलों में कटौती लाऊँगा, प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
4. *लकड़ी की सामग्री का उपयोग करने के साथ–साथ पेड़–पौधे लगाऊँगा।*
   घर के अंदर, चारों ओर पौधे मैं ही लगाऊँगा, लगवाऊँगा, उनकी रक्षा करूँगा।
5. *सूखे, गीले व्यर्थ पदार्थों (कचरा) दोनों को अलग करूँगा–कचरा लेने जाने वाले सफाई कर्मचारी को मैं ही दे आऊँगा।*
6. *पुरानी वस्तुएँ इकट्ठा कर या घर की पुरानी वस्तुएँ ज़रूरतमंदों को दूँगा।*
7. *अनावश्यक यात्राएँ कम करूँगा। जहाँ तक हो सके चार लोगों के साथ मिलकर यात्रा करूँगा। सामाजिक परिवहन सुविधा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करूँगा।*
8. *सौरऊर्जा, सूर्यकिरणों का दिन भर उपयोग कर जहाँ तक हो सके रात में बिजली के उपयोग को कम करूँगा।*
9. *कंप्यूटर में टिकट आरक्षण, ई–सेवाओं के माध्यम से बिलों का भुगतान कर जहाँ तक हो सके सड़क की भीड़–भाड़ कम करूँगा। वायु प्रदूषण नियंत्रित करूँगा।*
10. *हरे–भरे जीवन के लिए इन दस सूत्रों... को दस लोगों में बाँटकर, कम से कम तीन लोगों द्वारा मेरी तरह पालन करने के लिए प्रयास करूँगा।*

पेड़–पौधे लगाओ – देश को हरा–भरा बनाओ।
पेड़ लगाओ – पेड़ बचाओ।
पेड़ की रक्षा करो – वे तुम्हारी रक्षा करेंगे।
पानी की बर्बादी रोको – पानी की बचत करो।
खाने से पहले, खाने के बाद, हाथ–पैर धोओ।
वातावरण को स्वच्छ बनाओ – स्वास्थ्य की रक्षा करो।

Government of Telangana

Department of Women Development & Child Welfare - Childline Foundation

When abused in or out of school.

To save the children from dangers and problems.

CHILD LINE 1098 NIGHT & DAY

24 HOUR NATIONAL HELPLINE

When the children are denied school and compelled to work.

When the family members or relatives misbehave.

1098 (Ten...Nine...Eight) dial to free service facility.

SCERT TELANGANA

हम – हमारे परिसर

तीसरी कक्षा

परिसर विज्ञान

संपादक

प्रोफेसर वी. सुधाकर
अंग्रेज़ी, विदेशी भाषाओं का विश्वविद्यालय (EFLU), हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. आर. जगदीश्वर गौड
प्राचार्य, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, आदिलाबाद

विषय विशेषज्ञ

श्री सुवर्ण विनायक
समन्वयक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री अलेक्स एम. जॉर्ज
एकलव्य, मध्य प्रदेश

श्री कमल महेंद्रु
विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर

सलाहकार – लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना
श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं प्रकाशन समिति

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी
प्रोफेसर. पाठ्यपुस्तक व पाठ्यक्रम विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

श्री बी. सुधाकर
निदेशक,
पाठ्यपुस्तक प्रकाशन विभाग,
हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार का प्रकाशन, तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana, Hyderabad

First Published 2012
New Impressions 2013, 2014, 2015, 2017,2018

All rights reserved

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana.

This Book has been printed on 80 G.S.M. SS Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

Printed in India
at the Telangana Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

हम सभी सामाजिक प्राणी हैं। समाज के रीति–रिवाजों, परंपराओं, जीवन शैली का पालन करने और उसके अनुरूप बनने के कारण जीवन व्यापन कर पा रहे हैं। इसके लिए बालकों में उनके चारों ओर के परिसर का ज्ञान होना आवश्यक है। प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान शीर्षक से सीखा गया ज्ञान उच्च प्राथमिक, उच्च स्तर पर सामाजिक अध्ययन व विज्ञान के शीर्षक से और अधिक विस्तार से सीखने में सहायक होगा। प्राथमिक स्तर पर बालकों को अपने चारों ओर के परिसर के बारे में, परिसर के द्वारा परिसर ज्ञान के लिए अभ्यास करना पड़ता है। इस बीच नवीन पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया, किंतु शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के कारण पुनः समीक्षा करने की आवश्यकता पड़ आसन्न हुई है।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा–2005 (NCF), शिक्षा का अधिकार कानून–2009 के मार्गदर्शक सूत्रों के अनुसार हमारे राज्य की पाठ्यक्रम रूपरेखा 2011 (APSCF) का निर्माण किया गया। इसके अनुसार प्रत्येक कक्षा के लिए शैक्षिक मापदंडों निर्धारित हुए हैं। इसकी उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की विषयवस्तु, पाठ्क्रम को ध्यान में रखकर तीसरी कक्षा के लिए "हम – हमारे परिसर" शीर्षक से परिसर विज्ञान की पाठ्यपुस्तक तैयार की गयी है।

इस पाठ्यपुस्तक में परिवार, मित्र जैसे लोगों के बीच संबंध, कार्य, खेल, जीव–जंतु, पौधे, आहार, पानी, आवास, यात्रा, हमारा गाँव, तैयार की जानी वाली वस्तुएँ जैसी विषयवस्तु से 16 पाठों का निर्माण किया गया है। सभी प्रांतों के बालकों को समझ में आने योग्य आसान भाषा, चित्रों, वास्तविक चित्रों को पाठ्यपुस्तक में स्थान दिया गया है। बालकों में होने वाली स्वाभाविक कौतूहलता, जिज्ञासा, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए अभ्यास, क्रियाकलाप दिये गये हैं। हर पाठ में बालकों को स्वयं समाचार इकट्ठा करके ज्ञान निर्माण करने के उपयुक्त निरीक्षण, अन्वेषण, समाचार कौशल से संबंधित क्रियाकलाप, परियोजना कार्य जैसे अभ्यास दिये गये हैं। सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए, क्रियाकलापों, अभ्यासों, प्रश्नों को हर पाठ अंतर्निहित किया गया है। पाठ की समाप्ति के बाद "इन्हें करो" शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। इनमें विषय की समझ, चित्र उतारना, रंग भरना, समाचार कौशल – परियोजना कार्य, प्रशंसा, प्रश्न करना जैसी दक्षताओं की प्राप्ति के अनुरूप चित्र संकेत भी हैं। उसी तरह पाठ से संबंधित मुख्य भावनाओं को "मुख्य शब्द" के रूप में दर्शाया गया है। पाठ के मुख्य बातों की पुनरावृत्ति के लिए "हमने सीखा" शीर्षक दिया गया है। बालक स्वयं अपना आकलन करने के अनुरूप "क्या मैं ये कर सकता हूँ" शीर्षक के माध्यम से स्वमूल्यांकन के अभ्यास भी दिये गये हैं।

इस पाठ्यपुस्तक में बालकों को सीधे–सीधे जानकारी दिये बिना, अपने आप सीखने के प्रति बल दिया गया है। इसके लिए अपने साथियों, अध्यापकों, माता–पिता, समाज के सदस्यों से चर्चा कर, क्रियाकलापों, सामूहिक क्रियाकलापों, व्यक्तिगत क्रियाकलापों में भाग लेने योग्य अभ्यास दिये गये हैं। परिसर के बारे में जानने के लिए बालक जब परिसर में जाते हैं तो उन्हें विभिन्नताओं की वैविध्यता समझने में सहायता मिलती है। समाज, परिसर में विभिन्नता एक स्वाभाविक अंश होने के कारण वे उनकी प्रशंसा कर सकते हैं। अपने आप को परिसर के अनुकूल बदलकर सामंजस्य की भावना का विकास कर पाते हैं।

इसके लिए अध्यापकों को चाहिए कि वे उपयुक्त सामग्री, योजनाओं का निर्माण करें। इस दृष्टिकोण पाठ्यपुस्तक मात्र साधन भर है। बालकों के अनुभवों, स्थानीय परिसर को एक मज़बूत संसाधन के रूप में लेकर पाठ्यपुस्तक और मज़बूत बनायेंगे, ऐसी आशा की जाती है। हमें विश्वास है कि इसके द्वारा बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास होकर उच्च अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में भाग लेने वाले अध्यापकों, प्राध्यापकों, चित्रकारों, डीटीपी, ले–आउट निर्माता, पाठ्यक्रम सदस्य सभी को अभिवादन देती हूँ। पाठ्यपुस्तक को सुंदर, आकर्षणीय, बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करने योग्य पुस्तक का निर्माण करने में दिशा–निर्देश देने वाले विषय विशेषज्ञों को विशेष अभिवादन प्रकट करती हूँ। संपादक वर्ग को भी धन्यवाद देती हूँ। भाषा की दृष्टि से संशोधन करने वाले श्री पोरंकी दक्षिणामूर्ति, अवकाशप्राप्त उपनिदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना हैदराबाद को विशेष धन्यवाद देती हूँ। यह पाठ्यपुस्तक भविष्य के शिक्षण योजनाओं, दक्षताओं की वृद्धि करने में सहायक होगी, ऐसी आशा करती हूँ।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हैदराबाद

दिनांक : 27-03-2012
स्थान : हैदराबाद

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

राष्ट्रगान

- रवींद्रनाथ टैगोर

जन–गण–मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग!
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा!
उच्छल जलधि–तरंग!
तव शुभ नामे जागे!
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन–गण–मंगलदायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता!
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!!

प्रतिज्ञा

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई–बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान–भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान–भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता–पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव–जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19
SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सुवर्ण विनायक, समन्वयक, एस.सी.ई.आर.टी., हैदराबाद
श्री मेड़ा हरिप्रसाद, जेड.पी.एच.एस. आकुलमल्ला, संजामला मंडल, कर्नूल
श्री के. लक्ष्मीनारायण, प्राध्यापक, जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्था, अंगलूरु, कृष्णा
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर
श्री श्री बी. रामकृष्णा, एस.ए., जी.जी.एच.एस. नल्लागुट्टा (न्यू), सिकंद्राबाद, हैदराबाद
श्रीमती वंगीपुरम स्वर्णलता, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पाता पट्टीसम, पश्चिमी गोदावरी
श्री एन. सी. जगन्नाथ, एस.जी.टी., जी.एच.एस. कुलुसुम पुरा, हैदराबाद
श्री के. उपेंदर राव, एस.जी.टी., पी.एस. तुर्कपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री ई. डी. मधुसुदन रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. (ब्वायज़) कोस्गी, महबूबनगर
कुमारी शालिनी, विद्याभवन सोसायटी, उदयपुर, राजस्थान
श्री के. वी. सत्यनारायण, एम.आर.पी., गरिडेपल्ली मंडल, नलगोंडा
श्री शेख़ ब्रह्माजी शा, एस.जी.टी., पी.एस. चिन्नताल्लपालेम, रामचंद्रापुरम मंडल, पूर्वी गोदावरी
डॉ. आर. सतीश बाबू, पी.एस. बुर्कपिट्टा तांडा, सूर्यापेट मंडल, नलगोंडा

समन्वयन

श्रीमती डी. विजयलक्ष्मी, प्राध्यापक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद
श्री पी. रतंगपाणी रेड्डी, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोल्कमपल्ली, अड्डाकल, महबूबनगर

हिंदी अनुवाद समन्वयन

डॉ. पी. शारदा, समन्वयक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद (समन्वयक)
श्रीमती प्रेमलता नथाने, अवकाशप्राप्त प्राध्यापिका, हिंदी महाविद्यालय, हैदराबाद (संपादक)
श्री सुरेश कुमार मिश्रा "उरतृप्त", जेड. पी. एच. एस. पसुमामुला, रंगारेड्डी (सहायक)

हिंदी अनुवादक

श्रीमती एन. हेमलता, जेड.पी.एच.एस. रागन्नागुड़ा, हयातनगर, रंगारेड्डी
डॉ. सविता, बंसीलाल बालिका विद्यालय, बेगम बाज़ार, हैदराबाद

चित्रकार

श्री. कूरेल्ल श्रीनिवास, एस.ए., जेड.पी.एच.एस. पोचमपल्ली, नलगोंडा
श्री बी. किशोर कुमार, एस.जी.टी., यू.पी.एस. अल्वाला, अनुमला मंडल, नलगोंडा
श्री सय्यद अहमदुल्ला, ड्राइंग अध्यापक, जी. एच. एस. काज़ीपेट, वरंगल

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

- बालकों को चाहिए कि वे अपने चारों ओर के बारे में परिसर के बारे में समझें। उस परिसर से सांमजस्य करना चाहिए। अन्वेषण के माध्यम से परिसर के बारे में अपनी अवधारणा बढ़ानी चाहिए। इसीलिए प्राथमिक स्तर पर परिसर विज्ञान की पुस्तक का हमने "हम-हमारे परिसर" शीर्षक रखा है।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु के आधार पर राज्य की परिस्थितियों के अनुरूप पाठ्क्रम, विषयवस्तु तैयार की गयी है।
- हमारे परिवार के बीच संबंधों, कार्यों, खेलों, जीव-जंतुओं, पौधों, आहार, पहनावा, आवास, यात्रा, पानी, तैयार की जाने वाली वस्तुएँ, गाँव नामक विषयवस्तु के आधार पर पाठ्यविषयवस्तु का निर्माण किया गया है।
- इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। पहली इकाई में तीन पाठ, दूसरी इकाई में पाँच पाठ, तीसरी इकाई में पाँच पाठ, चौथी इकाई में तीन पाठ हैं।
- हर पाठ में बालकों को आसानी से समझने के लिए अनुकूल चित्र दिये गये हैं। हर पाठ दैनिक जीवन के संदर्भों, घटनाओं अथवा बालक के परिचित अनुभवों से प्रारंभ होता है।
- किसी भी पाठ को पढ़ाते समय बालकों से बातचीत करवानी चाहिए। उनके अनुभवों पर चर्चा करवानी चाहिए। इससे संबंधित मुख्य प्रश्नों से पाठ आरंभ करना चाहिए।
- बालकों के लिए निरीक्षण करने योग्य, साथी बालकों / परिवार के सदस्यों / बड़ों/समाज के सदस्यों से जानकारी इकट्ठा करने, इकट्ठा की गयी सामग्री को तालिका रूप में तैयार करने, साथी बालकों के साथ चर्चा करने, छोटे-छोटे प्रयोग करने, अन्वेषण, परियोजना कार्य से युक्त अभ्यास दिये गये हैं।
- इस पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य बालकों में प्रक्रिया कौशलों का विकास करना है। अतः इस कार्य को पूरी तरह कक्षा कार्य मानकर समूह में, व्यक्तिगत तौर पर करने योग्य क्रियाकलाप दिये जाने चाहिए। इनका आयोजन करने योग्य चित्र संकेत भी दिये गये हैं। इन्हें उपयोगी सामग्री का इस्तेमाल करते हुए आयोजित करना चाहिए।
- अभ्यासों का उद्देश्य न केवल बालक के सीखे गये ज्ञान की जाँच करना है, बल्कि उनके अनुभवों, सृजनात्मक सोच को विकसित करना भी है। अतः सभी बालकों को भाग लेने का अवसर देना चाहिए।
- हर पाठ में *इन्हें करो* शीर्षक से शैक्षिक मापदंडों को ध्यान में रखते हुए अभ्यास दिये गये हैं। इन्हें बालक समूह तथा व्यक्तिगत तौर पर करना चाहिए।
- हर पाठ के अंत में *मुख्य शब्द* दिये गये हैं। ये शब्द संबंधी पाठ के मुख्य शब्द होते हैं। पाठ पूरा होते ही मुख्य शब्द के प्रति बालकों की धारणा बढ़ानी चाहिए। उसी तरह *हमने सीखा* शीर्षक से पाठ की मूल बातें बतायी गयी हैं। इन्हें बालकों द्वारा पढ़ाना चाहिए। इसका उद्देश्य पाठ की पुनरावृत्ति करना है।
- पाठ के अंत में *क्या मैं ये कर सकता हूँ?* शीर्षक से अभ्यास दिये गये हैं। उसके अंशों को बालक स्वयं सीखे, इसके लिए विशेष ध्यान देना चाहिए। इनमें कक्षा के अस्सी प्रतिशत बालक करने पर ही अगला पाठ प्रारंभ करना चाहिए।
- सतत समग्र मूल्यांकन को ध्यान में रखते हुए हर पाठ में प्रश्न / क्रियाकलापों को अंतर्निहित किया गया है। उसी तरह *क्या मैं ये कर सकता हूँ* का उद्देश्य बालकों का स्वमूल्यांकन करना है। हर पाठ समाप्त होते ही अभ्यासों में बताये अनुसार दक्षतावार बालकों की प्रगति का अंकन प्रगति पंजिका में करना चाहिए।
- जुलाई, सितंबर, दिसंबर, फरवरी महीनों में इकाई परीक्षाओं का मूल्यांकन, उसी तरह अक्तूबर, अप्रैल महीनों में सत्रांत परीक्षाओं का मूल्यांकन करना चाहिए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

तीसरी कक्षा परिसर विज्ञान – पाठ्यक्रम अंश

1. परिवार, परिवार के सदस्य, मित्र उनके बीच संबंध	परिवार के सदस्य, गुण, मुख आकार, परिवार के बारे में, तरह–तरह के परिवार
2. कार्य, खेल	परिवार के सदस्यों द्वारा किये जाने वाले काम, एक–दूसरे की सहायता करना, गाँव में काम करने वाले, उनकी आवश्यकताएँ, काम करने वाले बालक
	तरह–तरह के खेल, आवश्यकता, वस्तुओं के साथ खेले जाने वाले खेल, बिना वस्तुओं के खेले जाने वाले खेल, व्यक्तिगत तौर पर खेले जाने वाले खेल, समूह में खेले जाने वाले खेल, खेल के नियम, खेल भावना
3. जीव–जंतु	हमारे चारों के जीव–जंतु, पक्षी, उनके निवास, पालतू जानवर, भ्रमण पक्षी, क्या कैसे जाते हैं? जीवों के प्रति दया, कीट और उनसे होने वाली हानियाँ
4. पौधे	तरह–तरह के पेड़, घर में लगाये जाने वाले पेड़, उनके उपयोग, हमें क्यों पेड़ लगाना चाहिए? हमारे चारों ओर न उगने वाले पेड़, जलीय पौधे, मरुस्थलीय पौधे
	पत्तों के प्रकार (परिमाण, किनारे, सिरे, आकार, रंग), पत्तों का झड़ना, आहार के रूप में पत्ते, पत्तों से सजावट, पत्तों से आकारों की तैयारी, पत्तों से खेल, खाद गड्ढा
5. आहार	हमें आहार क्यों खाना चाहिए, आहार कहाँ से आता है, पकाकर खाये जाने वाले आहार, बिना पकाये खाये जाने वाले आहार, पकाने के ढंग में भिन्नता, तरह–तरह के पकवान बर्तन, उनकेउपयोग
	विविध प्रांतों की आहार आदतें, जीव–जंतुओं की आहार आदतें, मिलकर भोजन करने से होने वाले लाभ, आयु के अनुरूप आहार की आदतें
6. हमारा गांव, मानचित्र कौशल	गाँव, गाँवों की संस्थाएँ – उपयोग, गाँवों में यातायात, गाँव में रहने वाले लोगों द्वारा किये जाने वाले काम
	मानचित्रों की समझ, मानचित्रों के चिह्नों की आवश्यकता, मानचित्र उतारने का ढंग, मानचित्र द्वारा जानकारी ग्रहण करना, कक्षाकक्ष, पाठशाला, गली, गाँव का मानचित्र उतारना
7. आवास	घर की आवश्यकता, घर के प्रकार, अस्थायी आवास, भिन्न प्रांतों के घर, अपार्टमेंट, घर की छतें
	घर सजाने के तरीके, साफ–सुथरा घर, घर में फूल के पौधे उगाना, घर की सुंदरता बनाये रखने के लिए सहयोग देना, हमारे काम स्वयं करना, अस्वच्छ घर, व्यर्थ पदार्थ कचरे के डिब्बे में डालना
8. हमारा द्वारा तैयार की जानेवाली वस्तुएँ, कपड़े	तरह–तरह के मिट्टी के खिलौने, मिट्टी के बनाये बर्तन, उनके उपयोग, मिट्टी से बनी मूर्तियाँ, घड़े की तैयारी, मिट्टी के बर्तनों की कमी, मिट्टी से तरह–तरह के खिलौने तैयार करना
	कपड़ों की आवश्यकता, कपड़ों के प्रकार, बच्चों द्वारा पहने जाने वाले, बड़ों द्वारा पहने जाने वाले, महिलाएँ व पुरुष पहनने वाले, मौसम के अनुसार पहने जाने वाले, कपड़े, वेश–भूषा, रीति–रिवाज, सिलाये हुए, रेडिमेड कपड़े, पेशे के हिसाब से कपड़े, धोए हुए कपड़े, कपड़ों पर डिजाइन
9. पानी	पानी की आवश्यकता, पानी के स्रोत, पानी जमा करना, मनुष्य, पशु–पक्षियों को पानी की आवश्यकता, स्वच्छ जल, गंदा जल, अच्छी आदतें, पानी की कमी, पानी की बचत
10. यातायात	यातायात, यातायात के लिए वाहनों की आवश्यकता, दूरी, आवश्यकता के अनुसार यात्रा करने के साधन, यातायात के साधनों का वर्गीकरण, यातायात में खतरे

SCERT TELANGANA

इस पुस्तक द्वारा बच्चे प्राप्त करने वाली अपेक्षित दक्षताएँ

तीसरी कक्षा की *हम – हमारे परिसर* शीर्षकीय पाठ्यपुस्तक द्वारा प्राप्त की जाने वाली अपेक्षित दक्षताएँ नीचे दी गयी हैं। इन्हें वर्ष की समाप्ति तक प्राप्त करना होगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक में पाठों का निम्न बातों से जोड़ते हुए शिक्षण प्रक्रिया आयोजित की जानी चाहिए।

(1) **विषय की समझ :** इस पाठ्यपुस्तक में 16 पाठ से संबंधित विविध विषयों को बच्चे समझना चाहिए। इन्हें दैनिक जीवन से जोड़ना चाहिए। समझना चाहिए। उदाहरण बता सकना, गुणों के अंतर बता सकना, वर्गीकरण कर सकना, समझाना, कारण बता सकना जैसे कार्य कर सकना चाहिए।

(2) **चित्र उतारना, रंग भरना मानचित्र कौशल्य :** बच्चे चित्र उतारने के माध्यम से विषय को समझा सकना चाहिए। इसके लिए पाठ्यविषयवस्तु से संबंधित चित्र उतारना, रंग भरना जैसे कार्य करना आना चाहिए। तीसरी कक्षा के बच्चों को अपने कक्षा कक्ष, पाठशाला, गली, गाँव आदि के मानचित्र उतारना आना चाहिए। मानचित्र के चिह्नों के आधार पर समाचार ग्रहण करना चाहिए।

(3) **प्रयोग कराना, बताना :** बच्चे छोटे–छोटे प्रयोगों द्वारा विषय समझकर समझा सकना चाहिए। उन्होंने प्रयोग कैसे किया, क्या–क्या इस्तेमाल किया, क्रमानुसार बताना चाहिए।

(4) **समाचार कौशल – परियोजना कार्य :** बच्चे दूसरों को पूछने द्वारा, देखने द्वारा, पढ़ने द्वारा समाचार ग्रहण करते हैं। इस तरह ग्रहण किया गया समाचार तालिका में लिखना चाहिए। समाचार तालिका देखकर विश्लेषण कर सकना चाहिए। निर्धारण, साधारणीकरण कर सकना चाहिए। पाठों में दिये गये परियोजना कार्यों में भाग लेना चाहिए। उन्हें कक्षा में प्रदर्शित करना चाहिए।

(5) **प्रश्न करना :** बच्चे को अपने द्वारा देखे गये, सुने गये विषयों, संदर्भों, परिसर के बारे में प्रश्न करना आना चाहिए।

(6) **प्रशंसा :** बच्चों में अच्छी सोच का विकास करना चाहिए। जीव–जंतुओं, पौधों, अपने चारों ओर समाज के व्यक्तियों में होने वाली महत्ता को पहचानना चाहिए। प्रशंसा कर सकना चाहिए। दया, सहयोग की भावना, सहानुभूति, मिलकर काम करना जैसे गुणों का विकास करना चाहिए। साथियों की प्रशंसा करना चाहिए। समाज में, परिसर में होने वाली वैविध्यता को पहचानकर प्रशंसा करनी चाहिए। अलग–अलग तरह के आहार की आदतों, जीवन शैलियों, संस्कृति महत्ता की प्रशंसा करना चाहिए। निजी साफ–सफाई, स्वास्थ्य आदतें अपनानी चाहिए। अपना काम खुद करने, परिवार के वृद्धों, विशेष आवश्यकतावालों की सहायता करने का गुण होना चाहिए।

SCERT TELANGANA

 तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

विषयसूची

1.	परिवार	जून	1
2.	कौन क्या काम करता है?	जुलाई	12
3.	आओ खेलें!	जुलाई	20
4.	जीव–उनके निवास	अगस्त	27
5.	हमारे चारों ओर के पौधे	अगस्त	39
6.	पत्तों से लगाव	सितंबर	48
7.	हमारा आहार !	सितंबर	59
8.	आहार की आदतें	सितंबर	70
9.	हमारा गाँव	अक्तूबर	78
10.	तरह–तरह के घर	नवंबर	86
11.	साफ–सुथरा घर ही सुंदर घर	नवंबर	94
12.	चिकनी मिट्टी का कमाल	नवंबर	101
13.	रंग–बिरंगे कपड़े	दिसंबर	108
14.	मैं यहाँ – आप कहाँ?	जनवरी	115
15.	पानी – हमारी आवश्यकताएँ	फरवरी	123
16.	गाँव चलें	फरवरी	134
	पुनरावृत्ती	मार्च	

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

इकाई 1

1. परिवार
(The Family)

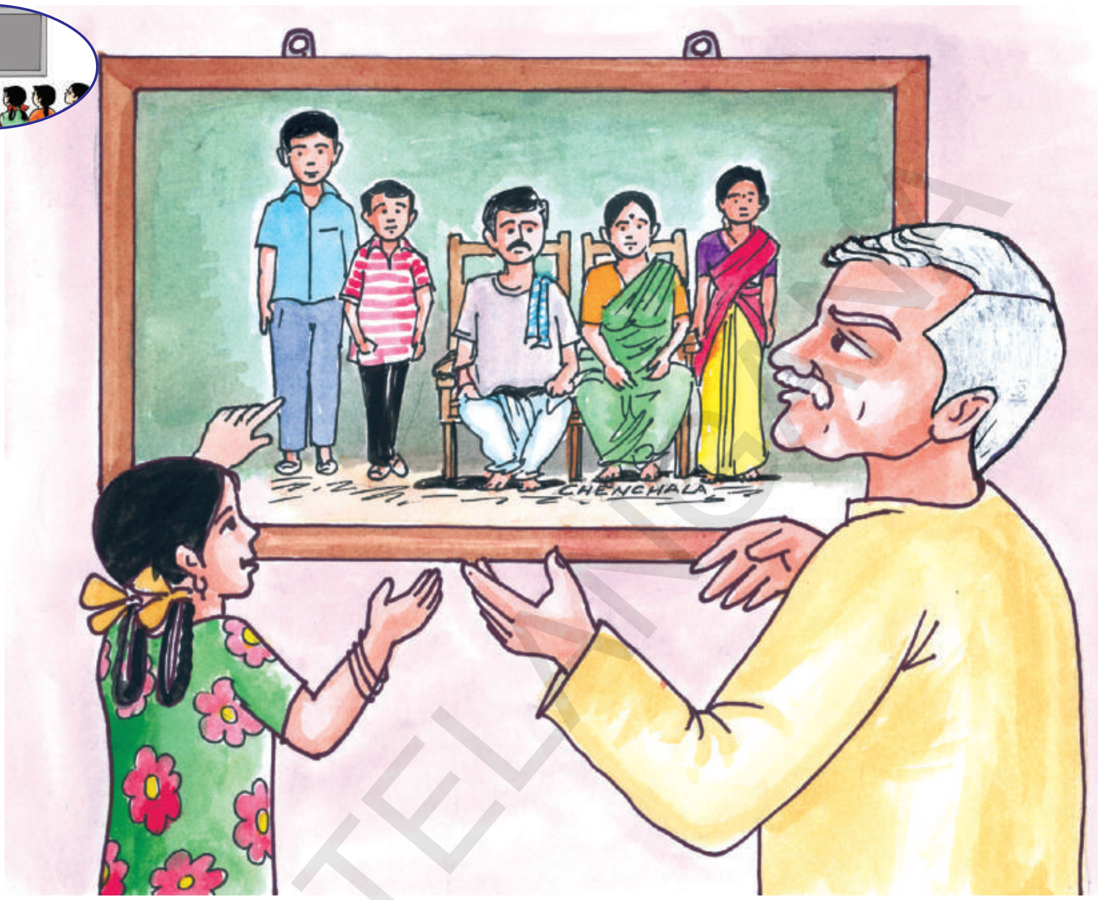

रमा	:	दादाजी! इस फोटो में लंबे जैसे दिखायी देने वाले कौन हैं?
दादाजी	:	तुम्हारे पिता श्रीनिवास हैं।
रमा	:	गुलाबी ओढ़नी पहने हुए कौन हैं?
दादाजी	:	नहीं पहचाना? वह तुम्हारी बुआ हैं।
रमा	:	यहाँ पर जो हैं, वे वेंकट चाचा हैं न!
दादाजी	:	हाँ, तुमने तो सही पहचाना!
रमा	:	चाचा जी अब कहाँ हैं?
दादाजी	:	हैदराबाद में हैं।
रमा	:	हैदराबाद में क्यों रहते हैं दादाजी?
दादाजी	:	नौकरी करते हैं

तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं?

....

....

....

....

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी, बच्चे होते हैं। नौकरी, शिक्षा या अन्य कारणों से परिवार के सदस्यों के साथ कुछ लोग दूसरे गाँव चले जाते हैं।

सभी परिवार एक जैसे नहीं होते। कुछ परिवारों में माँ, पिता, बच्चे ही होते हैं। कुछ और परिवारों में उनके साथ दादा, दादी जैसे बड़े-बूढ़े भी होते हैं।

अब हम रमा के परिवार में कौन-कौन हैं, उनके बारे में पता लगाते हैं। रमा के दादा का नाम रंगय्या है। दादी का नाम गंगम्मा है। रमा के दादाजी के दो बेटे, एक बेटी हैं।

चित्र देखो।

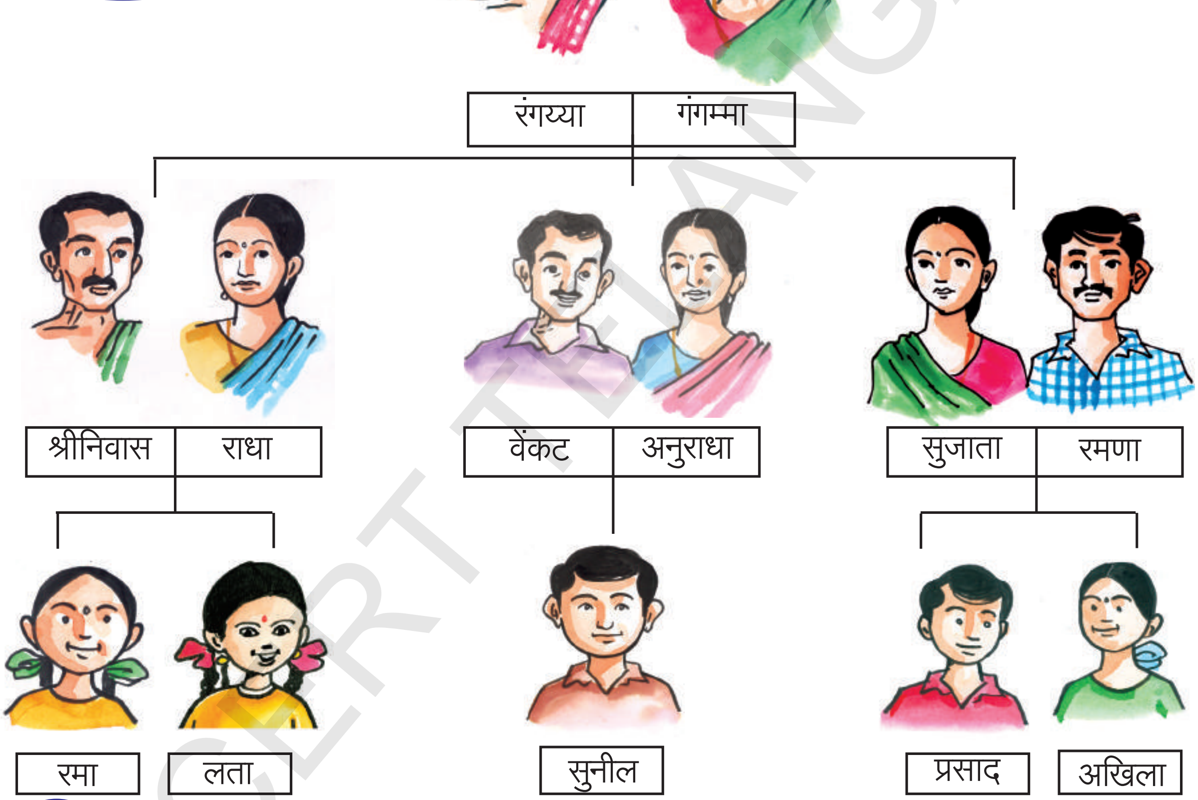

SCERT TELANGANA

कौन किसका क्या लगता है?

1. गंगम्मा श्रीनिवास की ....हैं।
2. अनुराधा, रंगय्या की ....हैं।
3. श्रीनिवास, सुनील का ....है।
4. अखिला, रंगय्या की ....हैं।
5. सुजाता, लता की ....हैं।
6. श्रीनिवास, रमा का ....हैं।
7. रमा, लता की ....हैं।
8. प्रसाद, अखिला का ....हैं।
9. रंगय्या, श्रीनिवास का ....हैं।
10. रमणा, सुजाता का ....हैं।

रमा के माँ, पिता, दादा, दादी के नाम अब तो तुम जानते ही हो न! अब तुम भी अपने दादा, दादी, माँ, पिताजी और दूसरों के नाम लिखो।

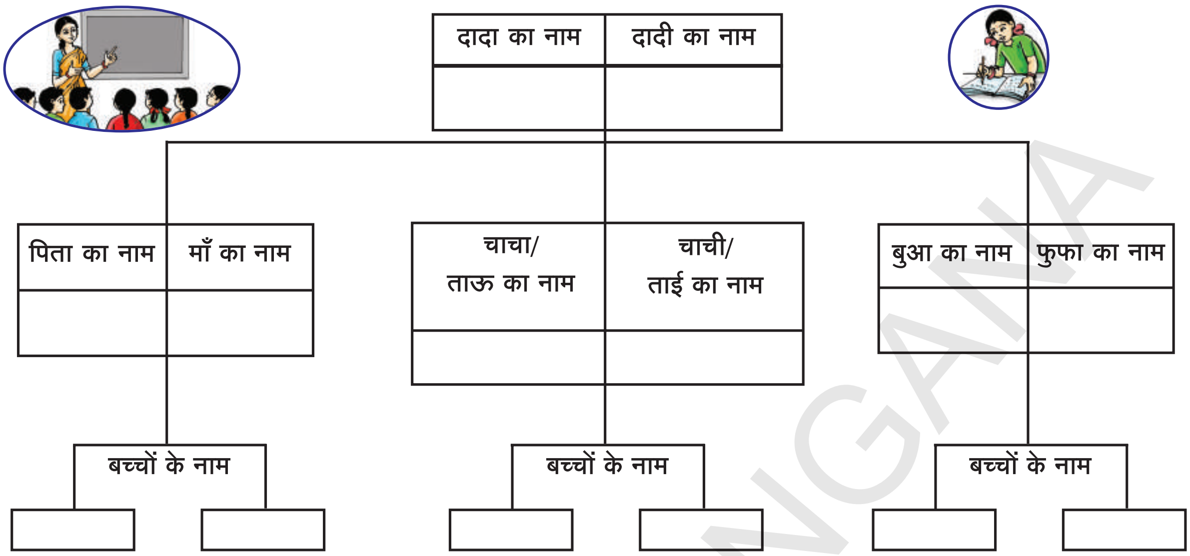

ऊपर बताये अनुसार परिवार के सदस्यों, पूर्वजों की जानकारी से भरी तालिका को ***वंशवृक्ष*** कहते हैं।

गुण :

रमा की चाची ने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को देखने बंधुजन आये।

TELANGANA

साधारणतया बच्चे अपने माता–पिता, दादा–दादी, नानी, फूफी, बुआ, मामा, ताऊ, चाचा, चाची के हमशक्ल होते हैं। कुछ लोग किसी के भी हमशक्ल नहीं रहते ।

सही उत्तर (✓) से दर्शाएँ।

1. कोई अपरिचित आपको मिठाई देता है तो क्या तुम स्वीकार करेंगे। (हाँ / नहीं)
2. क्या अपरिचित व्यक्ति के साथ तुम जाओगे। (हाँ / नहीं)
3. यदि कोई तुम्हें सताता है तो क्या तुम बड़ों को बताओगे। (हाँ / नहीं)

परिवार के सदस्य विभिन्न गुणों से युक्त रहते हैं। कभी हमें गुस्सा आता है तब दूसरों को तकलीफ़ देने वाले शब्दों का प्रयोग करते हैं। लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। इसके बदले उस व्यक्ति से अपने गुस्से का कारण बताएँगे। हमें जो व्यवहार और संदर्भ अच्छा नहीं लगा उसके बारे में बताएँगे। हम दोनों को कष्ट न होने वाला समाधान बताएँगे।

आपके परिवार के सदस्यों में जो गुण पसंद आया लिखिए।

बंधुता	गुण
माता	साहस
पिता	संरक्षण

परिवार का इतिहास

पाठशाला में भर्ती करने के लिए रमा के माता–पिता उसे पाठशाला ले आये। रमा के नाम को उसके पिता ने "*चिलुकूरी रमा*"लिखा। प्रधानाध्यापक ने पूछा– "आपका खानदानी नाम चिलुकूरी कैसे पड़ा?" "हमारे पूर्वज चिलुकूरी नामक स्थान से यहाँ आने के कारण यह नाम पड़ा है।"– रमा के पिता जी ने कहा।

SCERT TELANGANA

रमा के दादाजी गाँव के सभी लोगों की संकट में सहायता करते हैं। इसीलिए सभी उनका आदर करते हैं। उनके कारण परिवार के सभी लोगों का अच्छा नाम है। रमा के पिताजी कपड़े का व्यापार करते हैं। अड़ोस–पड़ोस के गाँवों में अच्छे कपड़े बेचने के कारण सभी लोग उनका भी बड़ा आदर करते हैं। रमा के खानदानी नाम, उनके दादा, पिताजी के बारे में अब तो तुम जान ही गये होगे!

अब तुम अपने परिवार के इतिहास के बारे में बड़े–बूढ़ों से पता लगाओ।

तुम्हारी कक्षा में छात्रों के खानदानी नाम कैसे पड़े, पता लगाओ।

तरह–तरह के परिवार

SCERT TELANGANA

मेरा नाम शिवा है। मेरे घर में माँ, पिता, दादा, दादी, ताई, ताऊ, चाची, चाचा, दीदी, भैया रहते हैं।

- चित्र देखा न! किसके घर में अधिक सदस्य हैं? किसके घर में कम सदस्य हैं?
- किन–किनके घर में बूढ़े लोग हैं?
- डेविड, हसीना, शिवा में किसका किस तरह का परिवार है?
- तुम्हारा किस तरह का परिवार है?
- तुम अपने परिवार के सदस्यों को कैसे पुकारते हो, लिखो।

SCERT TELANGANA

आओ खेलें!

- तुम सभी गोलाकार में खड़े रहो।
- किसी एक की आँखों पर रुमाल बाँध दी जाय।
- रुमाल बँधा छात्र शेष छात्रों को पकड़ने और उनकी पहचान बताने का प्रयास करें।
- सही बताने पर आँखों से रुमाल खोल देना चाहिए।
- इस तरह एक के बाद एक आँखों पर रुमाल बाँधकर इस खेल को आगे बढ़ाएँ।
- क्या आँखों पर रुमाल बँधे होने पर सभी को पहचान पाते हो?

क्या तुम्हें पता है?

जिनकी आँखें नहीं होती वे पढ़ने के लिए ब्रेल लिपि का उपयोग करते हैं। इस लिपि का आविष्कार लुईस ब्रेल ने किया था।

वृद्ध और विशेष आवश्यकता वाले बालक

- आँखें होने पर भी आँखों पर रुमाल बाँधकर पहचानने में कठिनाई हुई न! तो सोचो जिनकी आँखें नहीं होती, वे अपना काम करने में कितनी कठिनाइयों का सामना करते हैं। इसी तरह कुछ लोगों को कानों

से ठीक से सुनायी नहीं देता। कुछ लोग ठीक से बोल नहीं सकते। और कुछ लोग चल नहीं सकते। ऐसे लोगों को क्या–क्या कठिनाइयाँ आती होंगी, उनको हम किस प्रकार से सहायता कर सकते हैं, सोचकर बोलो।

नीचे दिया चित्र देखो।

- चित्र में कौन–कौन हैं?
- ये किन–किन कामों को करने में कठिनाइयाँ महसूस करते हैं?
- इन्हें किस तरह की सहायता करनी चाहिए।
- क्या तुमने कभी ऐसी लोगों की सहायता की है? कैसी सहायता की?

प्रतिवर्ष दिसंबर 3 को विश्वदिव्यांग दिवस मनाते हैं।

जिनकी आँखें नहीं होती, शारीरिक विकलांग, मूक, बधिर लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायता देनी चाहिए। बात करने में कठिनाइयों का सामना करने वाले संकेतों के माध्यम से बात करते हैं। सुनने संबंधी समस्या वाले कानों में ध्वनि यंत्र लगाकर, आँखों की रोशनी से वंचित लोग छड़ी अथवा स्पर्श द्वारा विषय समझते हैं। उसी तरह कुछ लोग बीमारी या दुर्घटनाओं के चलते अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। ऐसे लोगों के प्रति हमें चाहिए कि आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करें।

उसी तरह वृद्ध भी अपना काम स्वयं नहीं कर पाते। उन्हें भी सहायता की आवश्यकता होती है।

क्या तुम्हें पता है?

प्रतिवर्ष एक अक्तूबर को विश्व वृद्ध दिवस मनाते हैं।

मुख्य शब्द

1.	परिवार	2.	परिवार के सदस्य	3.	गुण
4.	वंशवृक्ष	5.	ब्रेल लिपि	6.	परिवार इतिहास
7.	खानदानी नाम	8.	वृद्ध दिवस	9.	वृद्ध
10.	पूर्वज	11.	बंधुगण	12.	विशेष आवश्यकता वाले बालक

हमने सीखा

- सामान्यतः परिवार में माँ, पिता, दादा, दादी और बच्चे रहते हैं।
- इस तरह एक ही परिवार के रूप में मिलकर रहने वालों को पारिवारिक सदस्य कहलाते हैं।
- माँ, पिता, दादा,दादी, के पूर्वजों का विवरण बतलाने वाला ही वंशवृक्ष कहलाता है।
- परिवार के बच्चों में परिवार के सदस्यों, बंधुजनों के गुण आते हैं।
- सभी के चेहरे एक जैसे नहीं होते।
- हर परिवार का अपना एक इतिहास होता है। उसे ही 'खानदानी इतिहास' कहते हैं।
- परिवार के सदस्यों के आधार पर परिवार के प्रकार होते हैं।
- वृद्धों, विशेष आवश्यकता वाले बालकों को आवश्यकतानुसार सहायता करनी चाहिए।

इन्हें किजिए

विषय की समझ

1. परिवार किसे कहते हैं? तुम्हारे परिवार में कौन–कौन हैं?
2. चंदु अन्नवरम में रहता है। अब तीसरी कक्षा पढ़ रहा है। उसकी माँ कमलम्मा घर पर ही रहकर घर का कामकाज देखती है। चंदु का भाई आदित्य दोनों मिलकर छुट्टियों के दिनों में अपने मामा राघव के पास गये। वहाँ मामी उषा, दादा गोपाल, नानी लक्ष्मी देवी हैं। चंदु उसकी भाभी हेमा के साथ, जीजा रवि के साथ कई खेल खेले।

नाम	चंदु के साथ रिश्तेदारी
आदित्य	भाई
कमला	....
लक्ष्मीदेवी	....
राघव	....
उषा	....
रवि	....

SCERT TELANGANA

3. तुम्हारे वंश का नाम क्या है? वह नाम कैसे पड़ा, मालूम करके बताओ।

4. विशेष आवश्यकता वाले बालकों को हमारे द्वारा की जाने वाली सहायता क्या है?

- जिनकी आँखें न हों उनके लिए की जाने वाली सहायताः
- जिन्हें सुनायी नहीं देता उनके लिए की जानेवाली सहायता :
- मूक लोगों के लिए की जानेवाली सहायता :
- चलने में असमर्थ लोगों के लिए की जानेवाली सहायत :

समाचार कौशल–परियोजना कार्य

1. तुम्हारे मित्रों के घरों में कौन–कौन हैं पूछकर तालिका भरो।

मित्र का नाम	परिवार के सदस्य	परिवार सदस्यों की संख्या
1. उदा : मुरली	माँ, पिता, दादा, बहन, दीदी, मुरली	6
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		

SCERT TELANGANA

उक्त तालिका के आधार पर बताओ–

- किनके घर में अधिक सदस्य हैं?
- किनके घर में कम सदस्य हैं?
- किनके घरों में वृद्धजन हैं?

2. तुम्हारे वंशवृक्ष के व्यक्तियों के फोटो जमा कर अलबम बनाओ। तुम्हारी कक्षा में प्रदर्शित कर एक–एक से बोलने के लिए कहो।

चित्र उतारो–रंग भरो।

1. विभिन्न भाव बताने वाले मुख्य चित्र उतारो। नाम लिखो।
2. माता–पिता के चित्र उतारकर नाम लिको।

प्रशंसा

1. एक दिन अपने आंखों पर रुमाल बंदकर कल्पना करो कि, पाठशाला को कैसे जाएँगे। मित्रों से कैासे खेलोंगे, सीखेगे सविस्तार लिखो ?
2. तुम्हारे परिवार का इतिहास, विशेषताएँ क्या हैं? मालूम करो और बताओ।

प्रश्न करना

1. रमा दादाजी के पास गयी। अपने वंशवृक्ष के बारे में जानना चाहा। इसके लिए दादाजी से तरह–तरह के प्रश्न पूछी। रमा ने वंशवृक्ष के बारे में क्या–क्या प्रश्न पूछे होंगे? दादाजी ने क्या उत्तर दिये होंगे? वंश का नाम मालूम करना हो तो तुम क्या–क्या प्रश्न पूछोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ

1.	परिवार का अर्थ बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	परिवार के सदस्यों के बीच संबंध बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	परिवार का वंशवृक्ष उतार सकता हूँ। परिवार का इतिहास बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	परिवार के सदस्यों की जानकारी तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	वृद्ध, विशेष आवश्यकतावाले बालकों की आवश्यकता अनुसार सहायता कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
6.	परिवार के इतिहास, वंशवृक्ष के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 1

2. कौन क्या काम करता है?
(Who does - What Work?)

यह कमला का घर है। कमला के घर में उसके माता-पिता, दादा-दादी तथा भाई रहते हैं। वे क्या कर रहे हैं, ध्यान दो।

कमला के पिताजी घर के कामों में माँ की सहायता करते हैं। अपने पिता के कामों में कमला सहायता करती है। कमला के दादा-दादी भी घर के कामों में एक-दूसरे की सहायता करते हैं। इस तरह घर में सब लोग एक दूसरे की सहायता करते हुए काम करते हैं।

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

परिवार में बड़े लोग घर के कामों के साथ–साथ बाहर के काम भी करते हैं। खेतों, फैक्ट्रियों, घर बनाने, सड़क बिछाने, कार्यालयों में तरह–तरह काम करते हैं। घर के बड़े लोगों द्वारा किये जाने वाले विविध कार्यों से

आमदनी होती है। तुम्हारे घर के लोग क्या–क्या काम करते हैं, बताओ। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

परिवार के सदस्यों के नाम	घर में किये जाने वाले काम	आय के लिए बाहर किये जाने वाले काम

एक–दूसरे की सहायता करना

घर के सदस्य तरह–तरह के कार्य करते हैं। घर के बड़े लोग अलग–अलग कार्य करते हैं। कुछ काम घर के सभी लोग मिलकर करते हैं।

चित्र देखो। कौन क्या कर रहा है। बताओ।

- माता–पिता को विभिन्न काम करते हुए चित्र में देखा है ना! पिताजी का पकवान करना तुम सही मानते हो ? कैसे ?
- तुम्हारे परिवार में भी इसी तरह एक–दूसरे की सहायता करते हैं?
- तुम कौन–कौन से काम करते हो? किनकी सहायता करते हो?
- तुम्हारे घर में सब मिलकर करने वाले काम कौन से हैं

SCERT TELANGANA

चर्चा करो। विवरण तालिका में लिखो।

तुम्हारी कक्षा में से किन्हीं छह छात्रों से पूछो। उनके माता–पिता क्या काम करते हैं? घर के सभी लोग मिलकर करने वाले काम कौन से हैं? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

मित्र का नाम	माँ द्वारा करने वाले काम	पिता द्वारा करने वाले काम	घर के सभी लोग मिलकर करने वाले काम
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			

✍ अधिकतर माताएँ क्या काम करती हैं?

....

....

✍ अधिकतर पिता क्या काम करते हैं?

....

....

✍ परिवार में सभी लोग मिलकर करने वाले काम क्या हैं?

....

....

परिवार के सभी सदस्य एक–दूसरे मिलजुलकर काम करना चाहिए। इस तरह एक–दूसरे की सहायता करने से एक–दूसरे के प्रति प्रेम, गौरव बढ़ता है।

व्यवसाय (पेशा)

परिवार में माता–पिता सभी तरह–तरह के काम करने के कारण हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। हमारे परिवार की तरह गाँव में भी तरह–तरह के व्यवसाय करने वाले लोग रहते हैं। उनके बारे में तुम्हें पता है?

SCERT TELANGANA

गाँव में अलग–अलग तरह के काम करने वाले लोगों के चित्र नीचे दिये गये हैं। उनके द्वारा हमें क्या लाभ हैं, बताओ।

इनका नाम सम्मक्का है। टोकरी बनाते हैं।

इनका नाम वेंकन्ना है। चप्पल बनाते हैं।

इनका नाम कोमरय्या है। नाई का काम करते हैं

इनका नाम शंकरय्या है। बढ़ई का काम करते हैं।

– क्या तुम्हारे गाँव में भी ये काम करने वाले लोग है?

– तुम्हारे गाँव में और कौनसे काम करने वाले लोग रहते हैं?

चर्चा करो

तुम्हारे गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले लोग होंगे ही! राजय्या सड़क झाड़ने, नाले साफ करने जैसे काम करता है। राजय्या की तरह गाँव में तरह–तरह के काम करने वाले और कौन–कौन रहते हैं? यदि वे काम न करें तो क्या होगा?

SCERT TELANGANA

गाँव में अनेक तरह के काम करने वाले लोग रहते हैं। सभी काम मुख्य होता हैं। आय के लिए कुशलता के साथ किये जाने वाले कामों को 'व्यवसाय' कहते हैं। गाँव के विकास के लिए सभी व्यवसाय करने वालों की आवश्यकता होती है। इसीलिए सभी व्यवसायियों का सम्मान करना चाहिए।

काम करने वाले बच्चे (बाल मजदूरी)

यह कमला है। कमला को पाठशाला जाना बहुत पसंद है। घर के पास बहन को गोद में लेकर खिलाती है। कमला के पिता खेत में और माँ मजदूरी करने जाती हैं। कमला घर का सारा काम करते हुए दिनभर घर पर पड़ी रहती है। थोड़ा भी समय मिलने पर अपनी किताबें निकालकर पढ़ लेती है। पाठशाला जाते बच्चों को देखकर कमला को पाठशाला जाने का मन करता है।

बच्चे पाठशाला न जाकर काम पर जाने से क्या हानि होती है?
पाठशाला न जाने वाले बच्चे दिखायी देने पर हमें क्या करना चाहिए?

माता-पिता बच्चों को पाठशाला में भर्ती करवाएँ। पढ़ना सभी बच्चों का अधिकार है। इसीलिए सभी बच्चों को प्रतिदिन पाठशाला जाना चाहिए।

मुख्य शब्द

1. घर के काम	2. बाहर के काम	3. एक दूसरे की सहायता
4. एक साथ काम करना	5. आय	6. व्यवसाय
7. आवश्यकता	8. बच्चे सभी पाठशाला जाएँ	9. बाल मजदूरी

हमने क्या सीखा?

- घर के सभी लोग घर में और बाहर तरह-तरह के काम करते हैं।
- परिवार के सभी सदस्य मिलजुलकर काम करना चाहिए।
- बड़े लोग तरह-तरह के काम करते हैं। इसीलिए परिवार को आय प्राप्त होती है।
- घर के कामों में छोटों को बड़ों की सहायता करनी चाहिए।
- सभी व्यवसायों का आदर करना चाहिए।
- गाँव में तरह-तरह के व्यवसायी रहते हैं।
- बचों की सही जगह पाठशाला है न कि कार्यस्थल सभी बचों को पाठशाला जाना चाहिए।

SCERT TELANGANA

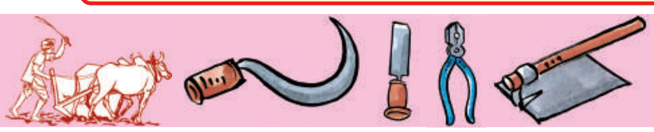

इन्हें करो

विषय की समझ

1. घर के बड़े लोग काम क्यों करते हैं?
2. घर के सभी लोग मिलकर करने वाले किन्हीं दो कामों के उदाहरण बताओ।
3. निम्न में आय प्राप्त होने वाले कार्यों पर ‘◯’ लगाओ।

पकाना	टोकरी बनाना	झाड़ू लगाना
मटके बनाना	कपड़े धोना	पढ़ाना
बर्तन माँजना	फल बेचना	खेती करना
खेलना	पढ़ना	कपड़े सीना
नहाना	भोजन करना	दूध बेचना

4. तुम्हारे गाँव में कौन–कौन से काम करने वाले लोग रहते है? किस कारण से वे जाने जाते है?
5. नीचे दिये चित्र देखो? ये कौन–कौन से काम कर रहे हैं? इनके न होने पर क्या होगा?

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो। उनके बारे में लिखो।

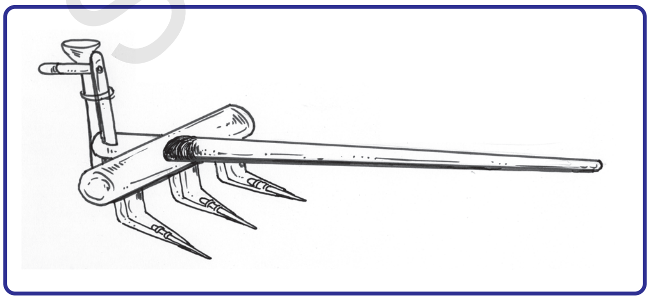

SCERT TELANGANA

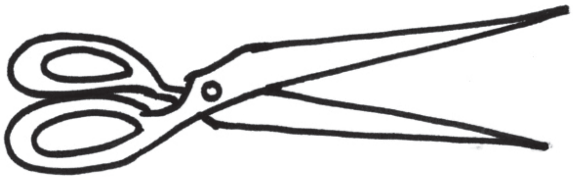

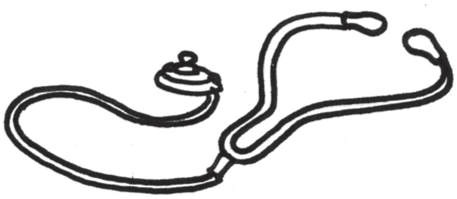

समाचार कौशल–परियोजना कार्य

1. तरह–तरह के काम करने वालों की जानकारी इकट्ठा करो। उनके बारे में बातचीत करो। चित्र इकट्ठा कर अलबम बनाओ। कक्षा कक्ष में प्रदर्शित करो।

2. तुम्हारे अड़ोस में जो बच्चे पाठशाला नहीं जाते हैं, उनके नाम बताओ, वे पाठशाला क्यों नहीं जा रहे हैं बताओ।

3. अपने मित्रों से पूछकर पता लगाओ कि उनके माता–पिता क्या काम कर रहे हैं? तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	पिता का व्यवसाय	माता का व्यवसाय
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

3. तुम्हारे घर में निम्न काम कौन–कौन मिलकर करते हैं उन पर '√' लगाओ।

काम	माँ	पिता	मैं	भाई/भय्या	दीदी/बहन	दादा	दादी
घर साफ करना							
खाना पकाना							
पानी लाना							
कपड़े धोना							
खेती के काम							
सब्जी लाना							
दूकान से सामान लाना							

प्रशंसा

1. तुम्हारे गाँव में तरह–तरह के व्यवसाय करने वाले रहते हैं। उनका आदर करना चाहिए। अगर वे व्यवसाय न करें तो क्या होगा, बताओ? लिखो।

प्रश्न करना

1. शिवय्या अपने गाँव के बढ़ई शंकरय्या और कुम्हार लिंगय्या के पास गया। उनके द्वारा किये जाने वाले व्यवसायों के बारे में कई प्रश्न पूछे। शिवय्या ने शंकरय्या और लिंगय्या से क्या–क्या प्रश्न पूछे सोचकर बताओ।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. परिवार के सदस्यों साथ काम करने की आवश्यकता बता सकता हूँ। हाँ / नहीं
2. परिवार में मिलकर करने वाले कामों, व्यक्तिगत तौर पर करने वाले कामों की तालिका बनाकर समझा सकता हूँ। हाँ / नहीं
3. मेरे मित्रों के माता–पिता क्या काम करते हैं, उनकी सूची बना सकता हूँ। हाँ / नहीं
4. यदि मैं किसि बाल मजदूर से मिलूंगा तो उन्हें पाठशाला जाने के लिए कह सकता हूँ। हाँ / नहीं
5. कुछ औजार/वस्तुओं के चित्र उतार सकता हूँ। हाँ / नहीं
6. तरह–तरह के व्यवसाय करने वालों से मिलकर उनके काम के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 1

3. आओ खेलें!
(Let us Play)

मस्तान, रहीम, लता, कमला, जॉनी, गिरि खेलने के लिए मैदान गये। वहाँ और कई सारे बच्चे हैं। वे तरह- तरह के खेल, खेल रहे हैं। वे कौन-कौन से खेल खेलरहे हैं, चलो देखते हैं!

- उक्त चित्र में बच्चे कौन-कौन से खेल खेल रहे हैं? उनके नाम लिखिए।
- क्या तुम ये खेल खेलते हो? यदि आप कोई और खेल खेलते हो तो उनके नाम बताइए?
- खेलना सभी को पसंद होता हैं तो बताइए खेल क्यों खेलना चाहिए?

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

खेल-प्रकार

रविवार के दिन गिरि घर में ही अपनी बहनों के साथ तरह-तरह के खेल खेलते हैं। मस्तान अपने दोस्तों के साथ मिलकर मैदान में कई सारे खेल खेलते हैं।

सोचो और बताओ कि गिरि ने घर में कौन से खेल खेले होंगे? मस्तान मैदान में कौन से खेल खेले होंगे? समूह में चर्चा करो और बताओ।

घर में खेलने वाले खेल	मैदान / आंगन में खेलने वाले खेल

घर में खेलने वाले खेल, मैदान और आंगन में खेलने वाले खेलों की तालिका बनाइए तो बताओ तुम्हारे माता-पिता, दादा, दादी आदि क्या ये खेल खेलते थे? वे कौन से खेल खेलते थे? पता करो और लिखो।

तुम्हारे द्वारा वर्तमान में खेले जाने वाले खेल	दादा-दादी द्वारा बचपन में खेले गये खेल

- तुम्हारे दादा द्वारा खेले गये खेलों में तुम्हारे द्वारा खेले जाने वाले खेल कौन से हैं?
- तुम्हारे दादा, माँ, पिता के बचपन में खेले गये खेलों में से तुम कौन से खेल नहीं खेल रहे हो?

SCERT TELANGANA

नीचे दिये चित्र देखो। इन्हें खेलने के लिए किन-किन खेल सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है? उसी तरह उन्हें कहाँ खेलते हैं? घर में? 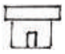 आंगन में? नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

खेल	खेल सामग्री	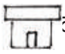 कहाँ खेला जाता है?
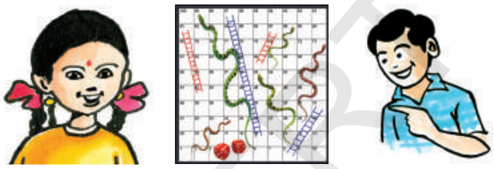		
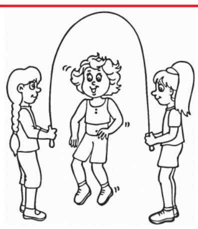		

SCERT TELANGANA

तरह-तरह के खेल

तुम तरह-तरह के खेल खेलते हो न! इनमें से कुछ अकेले ही खेल सकते हैं। कुछ समूह में मिलकर खेलते हैं। और कुछ खेल अधिक लोग मिलकर खेलते हैं। ऐसे खेलों के बारे में समूह में चर्चा करो और तालिका में लिखो।

अकेले खेले जाने वाले खेल	दो लोग मिलकर खेले जाने वाले खेल	कई लोग मिलकर खेले जाने वाले खेल

खेल सामग्री

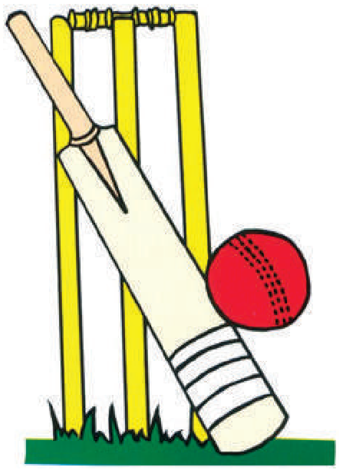

शिवा, निखिल, श्वेता, सलमा, मेरी, संकल्प और अजीत शाम को क्रिकेट खेलने गये। इसके लिए बल्ला, गेंद, विकेट अपने साथ ले गये। इसलिए तुम्हें खेलने के लिए भी कुछ खेल सामग्री चाहिए न? उसी तरह कुछ खेल खेलने के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है। छिपा-छिपी खेलने के लिए किसी भी खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

इस तरह के खेल कौन से हैं जिनमें खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है? खेल सामग्री की आवश्यकता वाले खेल कौन से हैं?

खेल सामग्री की आवश्यकता होती है	खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं होती है

SCERT TELANGANA

ह्खेल-नियम

रामू, जॉनी, गोपी, श्रीनू, मुरली, श्रद्धा, मुमताज़, पीटर, जब्बार और मस्तान कबड्डी खेल रहे हैं। खेल के बीच सभी झगड़ने लगे। खेल में की गलतियों पर बहस हुई। खेल रुक गया। मुरली, जॉनी, मस्तान खेलने से इंकार करते हुए वहाँ से चले गये।

सोचो और बताओ

- बच्चों ने खेल बीच में क्यों रोक दिया?
- खेलों में झगड़े न होने के लिए क्या करना चाहिए?

किसी भी खेल के लिए कुछ नियम होते हैं। नियमों के अनुसार ही खेल खेलना चाहिए। खेलते समय नियम नहीं तोड़ने चाहिए। जीत-हार की परवाह किये बिना खेलना ज़रूरी है। हमें हर दिन खेल खेलना चाहिए। खेल खेलने से स्वास्थ्य बनता है और मित्रता की भावना भी बढ़ती हैं। खेलों के नियमों की तरह व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा के भी कुछ नियम हैं। इन्हें व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियम के नाम से जानते हैं।

क्या तुम्हें पता है?

कुछ खेल जानवरों की सहायता से खेले जाते हैं। पोलो खेल में खिलाड़ी घोड़ों पर बैठकर गेंद को बल्ले से पीटते हैं।

14, नवंबर बालदिवस का दिन था। इस अवसर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। दौड़ प्रतियोगिता में सबसे तेज़ दौड़कर गोपी ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया था। पाठशाला के छात्र और अध्यापकों ने उसकी खूब प्रशंसा की।

- तुम्हारी पाठशाला में अच्छे खेलने वालों की सराहना कब होती है?
- खेल में विजयी दल की सराहना कैसे करते हैं?

मुख्य शब्द

1.	तरह-तरह के खेल	2.	घर में खेलने वाले खेल
3.	बाहर खेलने वाले खेल	4.	खेल सामग्री
5.	खेल के नियम	6.	समूह में खेले जानेवाले खेल
7.	उल्लंघन न करें	8.	दौड़ प्रतियोगिता
9.	हार-जीत	10.	खेल प्रतियोगिता
11.	खिलाड़ी के गुण	12.	प्रशंसा करते हैं

SCERT TELANGANA

अब तक हमने क्या सीखा

- खेल खेलने से स्वास्थ्य बनता है। आनंद की प्राप्ति होती है।
- खेल कई तरह के होते हैं- अकेले खेलने जाने वाले, समूह में खेलने जाने वाले; घर में खेले जाने वाले, बाहर खेले जाने वाले।
- पुराने समय और आज के खेलों में कई सारे बदलाव हुए हैं। आज कई सारे नये खेल खेले जा रहे हैं।
- कुछ खेलों के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता पड़ती है। और कुछ खेलों के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
- खेल में हार-जीत को समान रूप में लेना चाहिए।
- खेल नियमों के हिसाब से खेलना चाहिए।
- व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियमों का भी पालन करना चाहिए।

विषय की समझ

इन्हें किजिए

1. खेल क्यों खेलना चाहिए?
2. गेंद की सहायता से खेले जाने वाले कुछ खेलों के नाम लिखो।
3. खो-खो और क्रिकेट के बीच क्या अंतर है? लिखो।
4. घर में खेले जाने वाले खेल कौन से हैं? इन्हें कब-कब खेलते हैं?
5. तुम खेल के मैदान में कौन-कौन से खेल खेलते हो? इन्हें कब खेलते हैं?
6. क्रिकेट और खो-खो जैसे खेल घर के बाहर खेलते हैं, क्योंकि ....
7. व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियम किसे कहते हैं?

समाचार कौशल-परियोजना कार्य

1. तुम्हारी कक्षा के मित्र क्या-क्या खेल खेलना पसंद करते हैं, पूछो। उनके विवरण तालिका में लिखो।

	मित्र का नाम	पसंदीदा खेल
1.		
2.		
3.		
4.		

सबसे अधिक लोग किस खेल को पसंद करते हैं?

2. विभिन्न तरह के खेलों के चित्र समाचार पत्र से काटकर स्क्राप बुक में चिपकाओ। उनके नाम लिखो। उन्हें खेलने के लिए किन-किन खेल सामग्री की आवश्यकता पड़ती है, नाम लिखो।

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. नीचे दिये चित्र अपनी कॉपी में उतारो। रंग भरो।

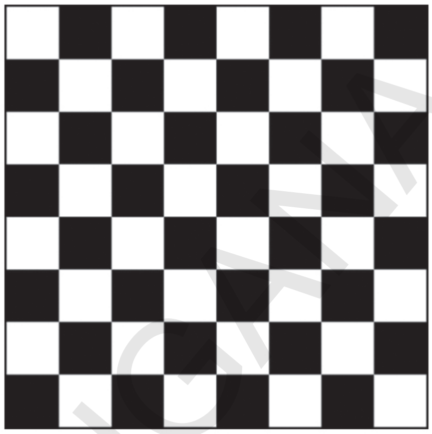

प्रशंसा

1. तुम्हारी पाठशाला में अच्छा खेलने वाले कौन हैं? उनके जीतने पर तुम क्या कहते हो?
2. खेल में जीतने वाले से क्या सीखते हैं? उसी तरह हारने वाले से क्या सीखते हैं?

प्रश्न करना

1. बच्चे खेल के मैदान में कबड्डी खेल रहे हैं। इतने में उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया। तभी वहाँ अध्यापक जी पहुँचे। उन्होंने बच्चों से क्या पूछा होगा? बच्चों ने क्या उत्तर दिया होगा? अगर तुम होते तो क्या प्रश्न पूछते?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	विभिन्न तरह के खेलों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	घर में खेले जाने वाले खेल और बाहर खेले जाने वाले खेलों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	किन्हें कौनसा खेल पसंद है, उसके बारे में बता सकता हूँ। तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	खेल सामग्री के चित्र उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	खेल से संबंधित प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई-2

4. जीव उनके निवास
(Shelter of Animals)

उस दिन रविवार था। महेश, कमला, लता, सलीम, डेविड बगीचे देखने गये। बगीचे के बगल में महेश के खेत हैं। बगीचे और खेत में तरह-तरह के जीव-जंतु दिखायी दिये। नीचे दिया गया चित्र देखो। बताओ उन्होंने क्या-क्या देखा।

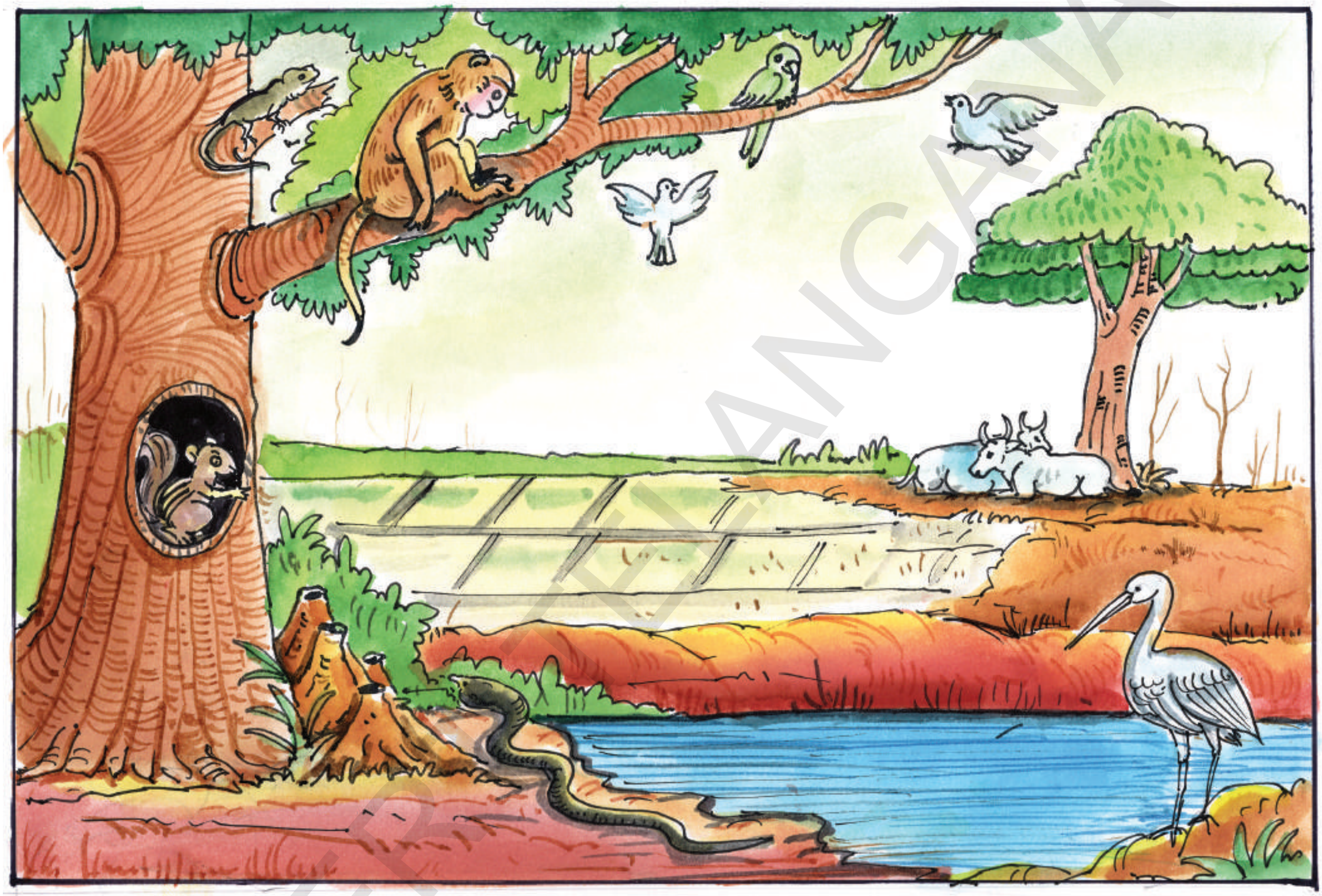

- उक्त चित्र में कौन-कौन से जानवर और पक्षी हैं?

- तुम अपने चारों ओर कौन-कौन से जानवर और पक्षी देखते हो?

बगीचे में सब दोपहर तक खेले। महेश हाथ धोने के लिए तालाब के पास गया। तालाब में और तालाब के किनारे भी कई जीव दिखायी दिये। तुरंत सभी दोस्तों को तालाब के पास आने के लिए कहा। पानी में रहने वाले जीव को देखने के लिए कहा। उन्होंने पानी में किन-किन जीवों को देखा, बताओ।

SCERT TELANGANA

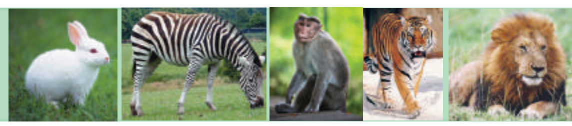

नीचे दिया चित्र देखो। उसमें कौनसे प्राणी दिखायी दे रहे हैं? वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

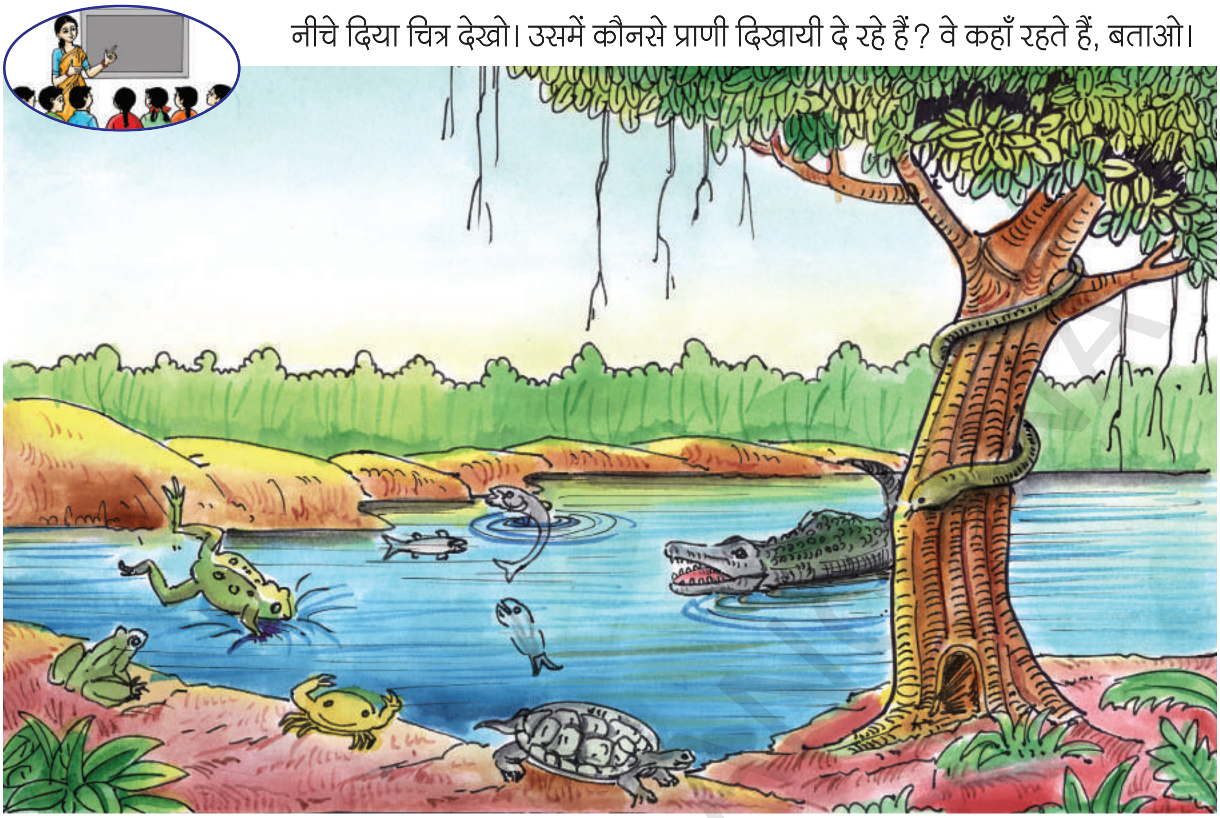

मछली पानी में रहती है। कुछ तरह के साँप पानी में रहते हैं; और कुछ जमीन पर। उसी तरह मेंढ़क, कछुए, मगरमच्छ, केकड़े जैसे जीव पानी में तथा जमीन पर रहते हैं।

जीव अलग-अलग स्थानों पर रहते हैं। कुछ पेड़ पर, कुछ पानी में, कुछ जमीन पर कुछ जमीन के भीतर बिल बनाकर रहते हैं।

नीचे दिये चित्र देखो।

कौन से जीव कहाँ रहते हैं, बताओ।

जीव के नाम	आवास
....	....
....	....
....	....

कुछ जानवर हमारे घर के पास भी दिखायी देते हैं। नीचे दिये चित्र देखो। घर में रहने वाले जानवरों में रंग भरो। इस तरह घर में पाले जाने वाले जानवरों को “पालतू जानवर” कहते हैं।

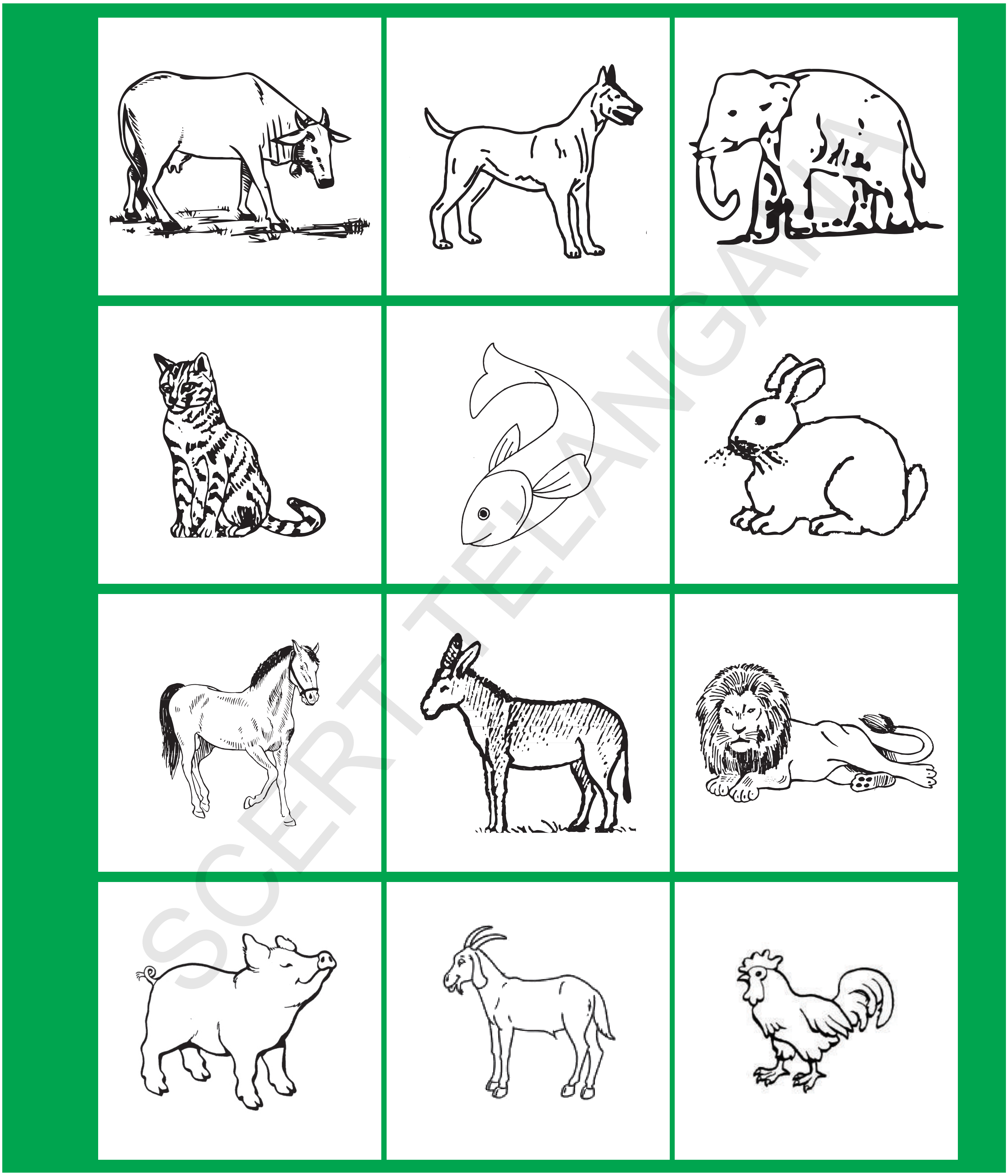

SCERT TELANGANA

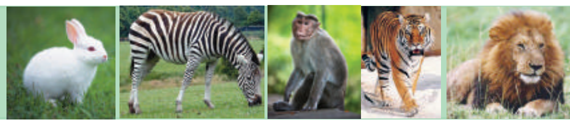

पक्षी कहाँ रहते हैं?

रंगा के घर वासु आया। घर की छत से लटकते बर्तन में पानी पीते हुए, नहाते हुए चिड़ियाँ दिखायी दीं। रंगा मुट्ठी भर अनाज लाकर छिड़कने पर सारी चिड़ियाँ आकर जल्दी-जल्दी दाना खाने लगीं। यह देखकर वासु को बड़ी खुशी हुई। "चिड़ियाँ कितनी सुंदर हैं!" वासु ने कहा। रंगा वासु को आंगन में ले गया।

आंगन में पेड़ पर कौए का घोंसला दिखायी दिया। उसमें कौए के बच्चे दिखायी दिये। रंगा को यह देखकर बड़ी खुशी हुई।

- कौए घोंसला क्यों बनाते हैं?
- इस तरह पेड़ पर घोंसला बनाने वाले पक्षियों के नाम लिखो।

आप जानते हो पक्षी पेड़ पर घोंसला बनाते हैं! तो फिर नीचे दिये चित्र देखो। वे कौन से पक्षी हैं, बताओ। उसी तरह वे कहाँ रहते हैं, बताओ।

पक्षी का नाम	पक्षी का नाम	पक्षी का नाम ....
आवास	आवास	आवास ....

उक्त पक्षियों को छोड़कर और कुछ पक्षियों के आवास बताओ।

SCERT TELANGANA

भ्रमणकारी पक्षी

रंगा, वासु शाम को खेलते हुए आकाश में उड़ते हुए पक्षियों के झुंड को देखा। वे सभी एक ही पंक्ति में उड़ते हुए सुंदर दिखायी पड़ रहे थे। वासु ने पूछा- "वे तो कभी-कभी दिखायी देते हैं न! वे कहाँ रहते हैं?" "ये हमेशा नहीं दिखायी देते। मार्च महीने में दिखायी देते हैं", रंगा ने कहा।

कुछ पक्षी अंडे देकर बच्चों को सेने के लिए या आहार के लिए एक प्राँत से दूसरे प्राँत जाते रहते हैं। उसी तरह कुछ और पक्षी गर्मी के दिनों में या ठंडी के दिनों में वहाँ के तापमान को सहन न करने के कारण दूसरे प्राँतों में चले जाते हैं। ऐसे पक्षियों को "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।

क्या तुमने कभी आकाश में भ्रमणकारी पक्षियों को झुंड में उड़ते हुए देखा है?

जानवर कैसे चलते है ? इसकी चर्चा किजिए।

जीव-जंतु एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए कुछ चलते हुए, कुछ रेंगते हुए, कुछ छलांग लगाते हुए, कुछ उड़ते हुए जाते हैं और कुछ तैरते हुए जाते हैं। इसके लिए वे अपने पैरों या अपनी पूँछ का उपयोग करते हैं। नीचे दिये चित्र को देखकर बताइए कौनसे जीव उड़ते है, कौनसे रेंगते है और कौनसे छलांग लगाते है ?

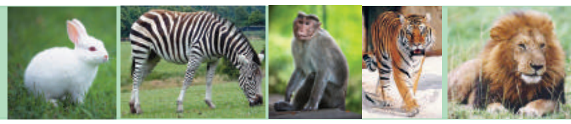

करो और देखो

- अपने मनपसंद जानवर का चित्र उतारो।
- अब तुम तीन-तीन विद्यार्थी समूह में बैठो। प्रत्येक विद्यार्थी एक-एक कागज लो। उसे तीन भागों में मोड़ो।

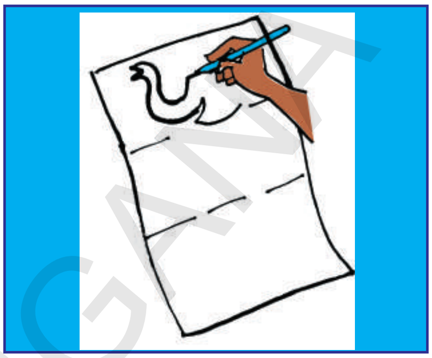

1. समूह में एक पहले मोड़ में अपने मनपसंद जानवर का सिर या गला उतारकर, उसे मोड़ो और दूसरे समूह वाले को दें।

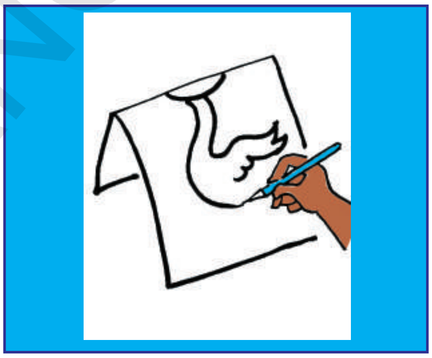

2. अब दूसरे समूह के बच्चे उस मोड़े हुए कागज़ के दूसरे हिस्से में अपने मनपसंद जानवर का धड़ उतारेंगे। फिर उस कागज़ को तीसरे समूह वालों को देंगे।

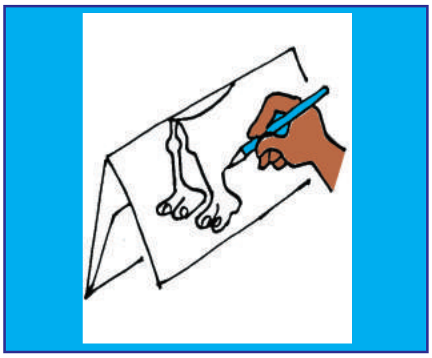

3. तीसरे समूह के बच्चे मनपसंद जानवर के पैर उतारेंगे।

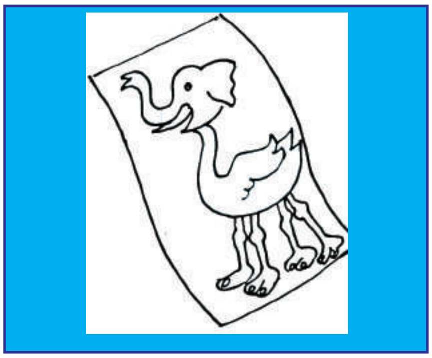

4. कागज़ के मोड़ खोल कर देखिए। है न यह एक अजीब जानवर का चित्र!

इसी तरह अन्य समूह के बच्चों द्वारा उतारे गये चित्रों को भी देखिए।

SCERT TELANGANA

जया, विजया, लता ने भी इसी प्रकार से चित्र उतारा। चित्र देखो। इसमें कौनसा हिस्सा किस जानवर का है, पता लगाओ और बताओ।

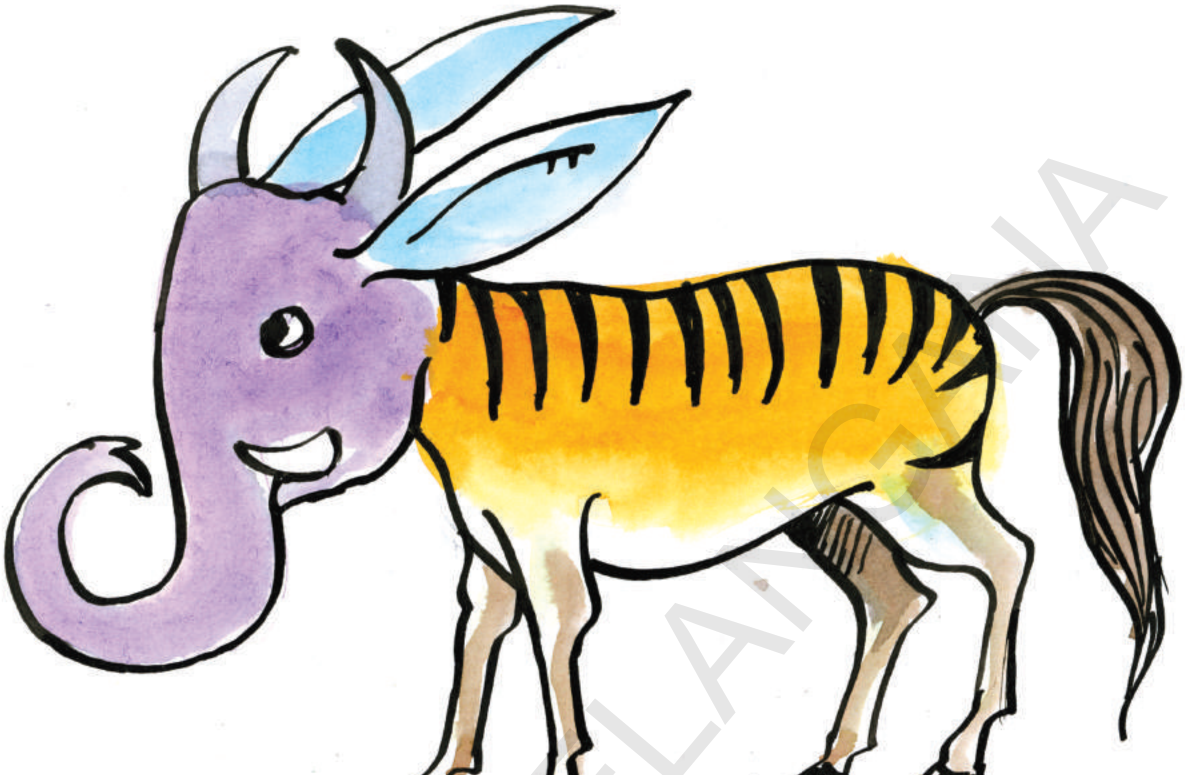

जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए।

एक दिन किट्टू पाठशाला जा रहा था। उसने रास्ते में पीड़ा से कराहते हुए कुत्ते के पिल्ले को देखा। उसके पैर में चोट लगी थी। किट्टू उसे अपने घर ले आया और पिताजी को दिखाया। पिता ने उसके घाव की मरहम पट्टी की। बाद में किट्टू एक बर्तन में दूध ले आया और उसे पिलाया। दूध पीने के बाद खुशी से पूँछ हिलाते हुए किट्टू के पास पहुँचा। किट्टू ने उसे प्यार से उसका नाम पिंकी रखा। उस दिन से पिंकी, किट्टू के परिवार में घुल मिल गया। किट्टू के द्वारा किये गये इस काम की पाठशाला में अध्यापकों तथा साथी विद्यार्थीयों ने भी खूब सराहना की।

SCERT TELANGANA

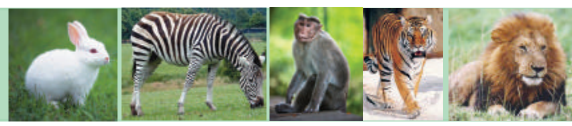

तुम जानते ही हो कि किट्टु ने क्या किया ?क्या तुमने भी ऐसा कभी किया है? क्या किया है? तुम्हारे घर में, गली में घूमने वाले भूख से तड़पते बिल्ली के बच्चे या कुत्ते के पिल्ले दिखायी देने पर तुम क्या करोगे?

तितली में रंग भरो।

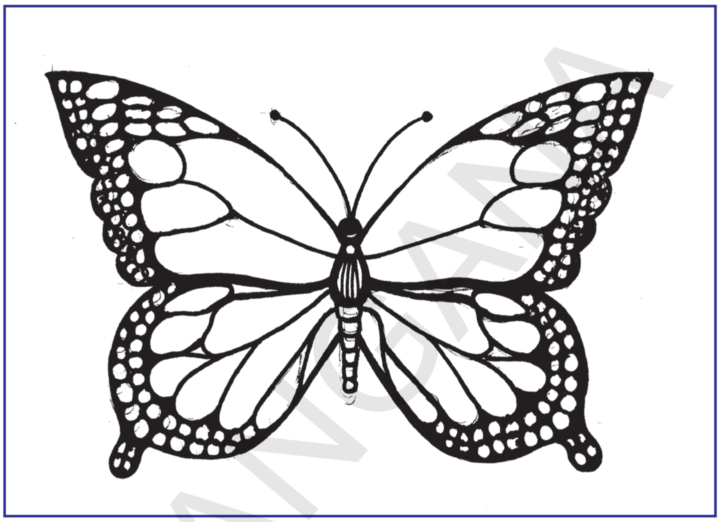

तितली कितनी सुंदर होती है! पेड़-पौधों पर मंडराती हुए बड़ी ही सुंदर दिखायी पड़ती है। उसी तरह भौंरे भी आकाश में उड़ते हुए दिखायी देते हैं तो हमारा परिसर सुंदर दिखायी पड़ता है। ऐसी सुंदरता को हमें बचाना चाहिए। किंतु कुछ शरारती बच्चे पेड़ पर चढ़कर पक्षी के अंडे फोड़ना, तितली, भौंरे के पंख तोड़ना, राह में दिखायी देने वाले कुत्तों पर पत्थर फेंकना आदि करते रहते हैं। यह बहुत ही बुरी बात है।

हमारे साथ-साथ परिसर में अनेक जीव-जंतु दिखायी पड़ते हैं। वे सभी हमारे जैसे जीव हैं। घायल होने पर हमारी तरह ही उन्हें भी पीड़ा होती है। इसीलिए उन्हें भी जीने देना चाहिए।

कीट

नीचे तरह-तरह के कीट दिये गये हैं। इन्हें तुमने कहाँ-कहाँ देखा है, बताइए।

कीटों के काटने पर क्या होता है?

राजु के दादाजी को ठंडी के कारण बुखार आ गया। डॉक्टर के पास ले जाने पर उसने दादाजी की जाँच करके बताया कि उन्हें मलेरिया हुआ है। मलेरिया बुखार के कारणों के बारे में राजु ने डॉक्टर से पूछा। डॉक्टर ने बताया कि विशेष तरह के मच्छरों के काटने से मलेरिया बीमारी होती है।

> मच्छरों से बचने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?
>
> मच्छरों को रोकने के लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

क्या इन्हें देखा है? इसका उपयोग किसके लिए करते हैं, बताइए।

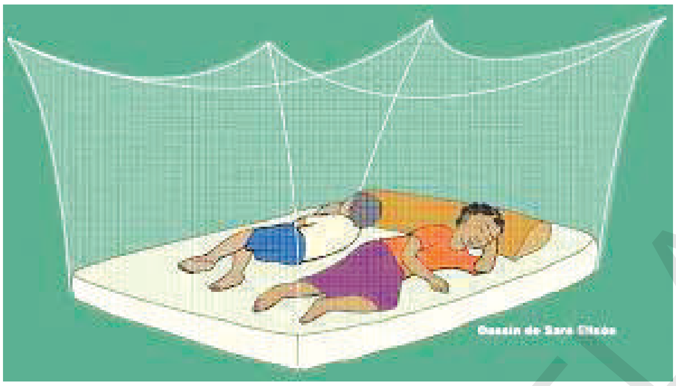

मच्छर ठहरे पानी में बढ़ते हैं। हमारे परिसर में पानी ठहरने नहीं देना चाहिए। ठहरे हुए पानी में मिट्टी का तेल या मलाथियन जैसी दवाओं को छिड़कने से मच्छर मर जाते हैं। मच्छरों से बचने के लिए मच्छर काइल का उपयोग करते हैं यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए मच्छरों को रोकने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए।

उसी तरह मक्खियों के कारण भी अनेक हानियाँ होती हैं। मक्खियाँ गोबर के ढेर, गंदी जगहों पर होते हैं। ऐसी जगहों पर बीमारी पैदा करने वाले कीटाणु भी होते हैं। हमारे खाने वाले आहार पर मक्खियाँ आकर बैठती हैं। इस तरह मक्खियों द्वारा दूषित भोजन खाने पर टाइफाइड, कलरा जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। इसीलिए आहार पदार्थों को ढककर रखना चाहिए।

> बिना ढक्कन के धूल जमने वाले आहार पदार्थ खाद्य सामग्री कहीं देखा है? उन्हें क्यों नहीं खाने चाहिए।

मक्खी, मच्छरों की रोकथाम के लिए हमारे परिसर में कहीं भी पानी को ठहरने नहीं देना चाहिए। कूड़ा-कर्कट कूड़ेदान में ही डालें। गंदे पानी में मच्छरों की रोकथाम के लिए मिट्टी का तेल, मलाथियन जैसी दवाओं का छिड़काव करना चाहिए। पानी के गड्ढे या उनमें कूड़ा-कर्कट आदि न डालें, ऐसा करने से परिसर स्वच्छ रहता है। घर में और बाहर स्वच्छता बनाये रखने पर मच्छर पैदा नहीं होते।

SCERT TELANGANA

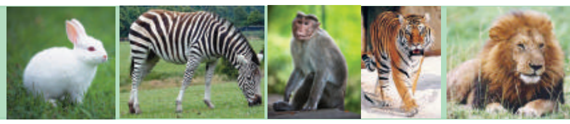

मुख्य शब्द

1. जीवों के आवास	2. पानी में रहने वाले जीव	3. भ्रमणकारी पक्षी
4. ज़मीन पर चलने वाले जीव	5. पालतू जानवर	6. कीटाणु
7. जीवों के प्रति दया	8. जीव	9. परिसर की स्वच्छता
10. मच्छर काइल्स	11. मलाथियान	

हमने क्या सीखा

- जीव-जंतु ज़मीन पर, पानी में, पेड़ पर रहते हैं।
- घर में पाले जाने वाले जानवरों को "पालतू जानवर" कहते हैं।
- एक जगह से दूसरी जगह जीव-जंतु चलते, रेंगते, उड़ते, तैरते हुए जाते हैं।
- जीव-जंतुओं के प्रति दया दिखानी चाहिए। उन्हें आवश्यकता अनुसार आहार, पानी देना चाहिए। उनकी सुरक्षा करनी चाहिए।
- पक्षी आहार, अनुकूल वातावरण के लिए भ्रमण करते हैं। इन्हें "भ्रमणकारी पक्षी" कहते हैं।
- ठहरे हुए पानी में मच्छर पैदा होते हैं। इसलिए हमें अपने परिसर में पानी जाना नहीं होने देना चाहिए।
- गंदगी भरे परिसर में मक्खी, मच्छर होते हैं। इसीलिए हमें परिसर को स्वच्छ रखना चाहिए।

इन्हें करो

विषय की समझ

1. पालतू जानवरों के कोई चार उदाहरण लिखो।
2. मच्छरों की रोकथाम के लिए क्या करना चाहिए?
3. पक्षी क्यों भ्रमण करते हैं?
4. पक्षियों और जानवरों में कोई तीन अंतर लिखो।
5. निम्न के तीन नाम लिखो।

(अ) उड़ने वाले	1.	2.	3. ....
(आ) रेंगने वाले	1.	2.	3. ....
(इ) चलने वाले	1.	2.	3. ....

SCERT TELANGANA

5. मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(अ) मैं दिखने में लंबा हूँ,
न आँखें हैं, न कान,
रेंगते हुए चलता हूँ, बिल में रहता हूँ।
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(आ) पानी में रहता हूँ,
तनिक भी न मैं सोता हूँ।
गलफ़डों से साँसें लेता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(इ) हैं मुझको चार पैर,
"मैं-मैं" करता रहता हूँ।
पत्ते खाता रहता हूँ,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

(ई) पंखों वाला हूँ मैं जीव,
दूर गगन में उड़ता हूँ।
ऊँचाई से देख सकूँ हर जीव,
मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ?

रंग भरो। नाम लिखो।

1. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

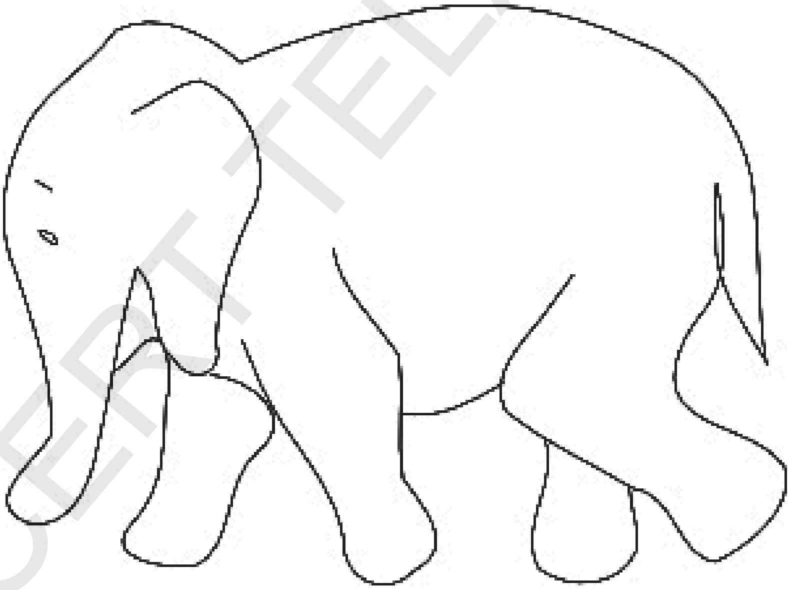

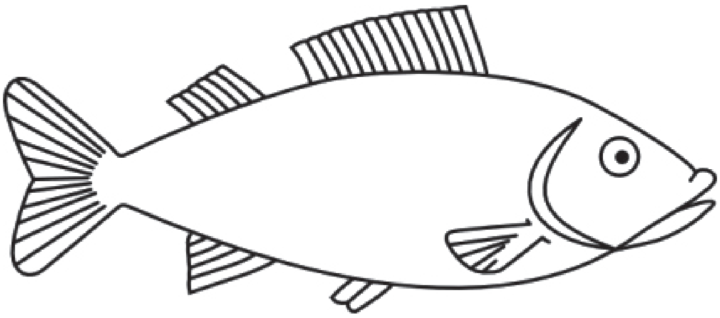

SCERT TELANGANA

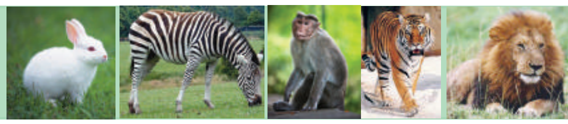

समाचार कौशल-परियोजना कार्य

1. जीव-जंतुओं के चित्र इकट्ठा करो। अलबम बनाओ। प्रत्येक जीव के बारे में दो-तीन वाक्य लिखो।

2. तुम अपने मित्रों के घर जाकर पता लगाओ कि वे किन-किन जानवरों को पाल रहे हैं। उनके बारे में निम्न तालिका में लिखो।

क्र.सं.	मित्र का नाम	पालने वाले जानवरों/पक्षियों के नाम

सबसे अधिक किन जानवरों को पाल रहे हैं?

प्रशंसा

1. पेड़ के घोंसले से पक्षी के अंडे नीचे गिर पड़े। अगर तुम वहाँ होते तो क्या करते, बताओ।

2. जीव-जंतु भी हमारी तरह ही प्राणी हैं। जीव-जंतु दुखी न हों, इसके लिए हमें क्या-क्या नहीं करना चाहिए, ऐसे तीन काम बताओ।

प्रश्न करना

1. ऋतु, सीता दोनों पेड़ पर रहने वाले पक्षियों के अंडों को बड़े ध्यान से देख रहे हैं। उनके बारे में मालूम करना चाहा। वहीं खड़े पेंचलय्या से से पक्षियों के अंडों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। उन्होंने क्या प्रश्न पूछे होंगे? सोचो और लिखो।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. विविध जीव-जंतु कहाँ-कहाँ रहते हैं बताओ। हाँ / नहीं
2. पालतू जानवरों की जानकारी इकट्ठा कर तालिका बना सकता हूँ। हाँ / नहीं
3. पक्षी / जानवरों के चित्र बनाकर रंग भर सकता हूँ। हाँ / नहीं
4. जीव-जंतु मुझे पसंद है। मैं उन पर दया दिखाऊँगा। हाँ / नहीं
5. पक्षियों के अंडों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2018-19

इकाई 2

5. हमारे चारों ओर के पौधे
(Plants around us)

सलीमा को फूल के पौधे बहुत पसंद हैं। घर में तरह-तरह के फूल के पौधे उगाती है। हर दिन उन्हें पानी देती है। किसी को भी इनके पत्ते, शाखाएँ तोड़ने नहीं देती।

सलीमा ने पाठशाला में कुछ पौधों की देख-रेख करने का जिम्मा लिया है। उन्हें घर के पौधे के समान बड़े प्यार से देखभाल करती है। छुट्टियों में भी कभी-कभी जाकर पानी देती है। एक दिन अखिला फूल के लिए सलीमा के घर गयी। अखिला, विराट और गोपी फूलों से बतुकम्मा तैयार करने सलीमा के घर आए। सब मिलकर आंगन के फूल तोड़े।

दोनों ने मिलकर तरह-तरह के फूल के पौधे तोड़े।

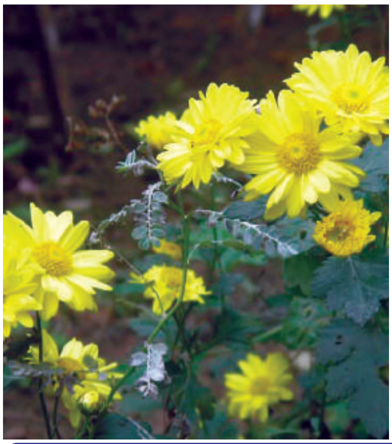
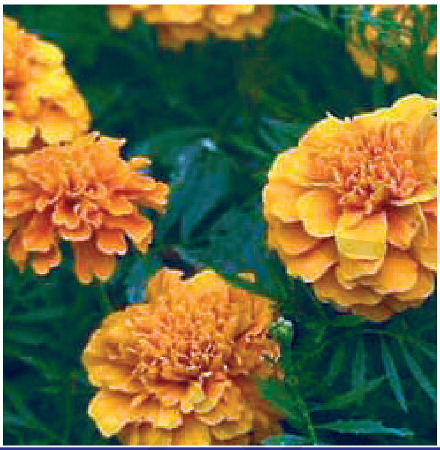

अखिला, सलीमा ने कौन-कौन से पौधे देखे होंगे?

कुछ और फूल वाले पौधों के नाम बताइए।

फूल से अखिला, सलीमा ने क्या किया होगा?

फूल का उपयोग और किन-किन चीज़ों के लिए किया जाता है?

सलीमा अपने घर में केवल फूल के पौधे ही नहीं बल्कि फलों और सब्जीयों को लगाकर उनकी देख-रेख कर रही है।

तुम्हारे मित्रों के घरों में लगे पेड़-पौधों के विवरण पता करो। लिखो।

मित्र का नाम	घर में लगाये पेड़-पौधे
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	
6.	

सबसे अधिक घरों में लगाये जाने वाले पौधे कौनसे है?

घरों में काम लगाये जाने वाले पौधे कौनसे है?

सामान्यतः घर के सामने खाली जगहों में तरह-तरह के पेड़-पौधे लगाते हैं। कुछ लोगों के घर के सामने खाली जगह नहीं होती। वे लोग किन-किन पौधों को लगाते हैं?

अखिला, सलीमा खेलने के लिए आंगन में गये। वहाँ सभी बच्चे बरगद के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। बरगद पेड़ के अलावा सड़क पर इमली, नीम जैसे पेड़ भी है। अखिला, सलीमा भी बच्चों के साथ वहीं खेलने लगे।

पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या लाभ हैं? सोचकर लिखो।

क्या सभी पेड़ एक जैसे होते हैं?

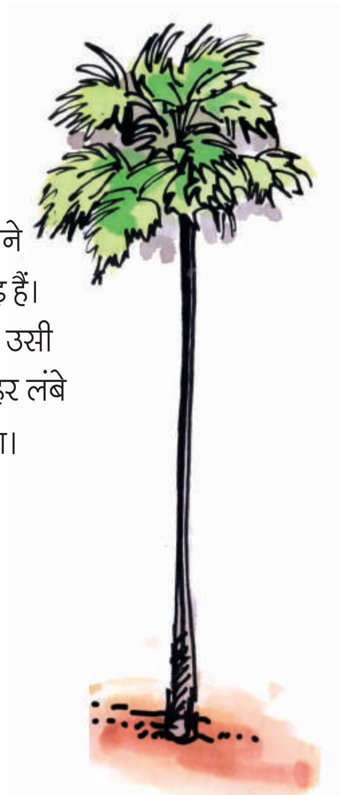

अखिला, सलीमा ने बगीचे में कई तरह के पेडों के पत्ते, शाखाएँ, तने आदि देखे। उनमें कुछ लंबे, कुछ बौने हैं। कुछ छोटे-छोटे पत्तों और कुछ बड़े-बड़े पत्तों वाले पेड़ हैं। उनके देखे पेड़ों में छोटे-छोटे पत्तों वाले पेड़ और बड़े-बड़े पत्तों वाले पेड़ कौनसे हो सकते हैं? उसी तरह बड़े और लंबे दिखायी देने वाले छायादार पेड़ कौनसे हो सकते हैं, बताइए। घर के बाहर लंबे दिखायी देने वाले ताड़ के पेड़ को देखकर, "वाह! कितना लंबा पेड़ है!"- अखिला ने कहा।

SCERT TELANGANA

हमारे चारों ओर तरह-तरह के पेड़ होते हैं। क्या वे सभी एक ही ऊँचाई के हैं? इनमें कुछ तुम से छोटे कद के हैं। कुछ पौधे तुम्हारे कद के हैं। और कुछ तुम से भी ऊँचे कद के होते हैं। तुम्हारे गाँव में/बस्ती के पेड़-पौधे देखो। उनकी जानकारी निम्न तालिका में लिखो।

तुम से छोटे पौधे	तुम्हारे बराबर के पौधे	तुमसे बहुत ऊँचे पौधे

बरगद, इमली, नीम जैसे पेड़ बहुत सारी शाखाओं वाले होते हैं। ये छाया देते हैं। इसीलिए सड़क के किनारे इन पेड़ों को लगाते हैं। इनके पत्ते, फूल, फल हमारे लिए उपयोगी हैं। पेड़ों के कारण हमें ईंधन भी प्राप्त होता है। पेड़ों की लकड़ी से कई वस्तुएँ तैयार करते हैं। ताड़ी के पेड़ बहुत ऊँचे होते हैं। इसकी शाखाएँ नहीं होतीं। ताड़ी के पेड़ के पत्ते बड़े-बड़े होते हैं।

इसी तरह किन-किन पेड़ों से क्या-क्या लाभ है, बताओ।

हमें पेड़ क्यों लगाना चाहिए?

अखिला के घर के बगीचे में आम का पेड़ है। आम के पेड़ से क्या-क्या लाभ होते हैं? आम की कैरी से आचार बनाते हैं। आम के फल खाते हैं। त्यौहारों के दिनों में आम के पत्ते तोरण रूप में लगाये जाते हैं। पेड़ों पर झूले बाँधकर झूला जाता है।

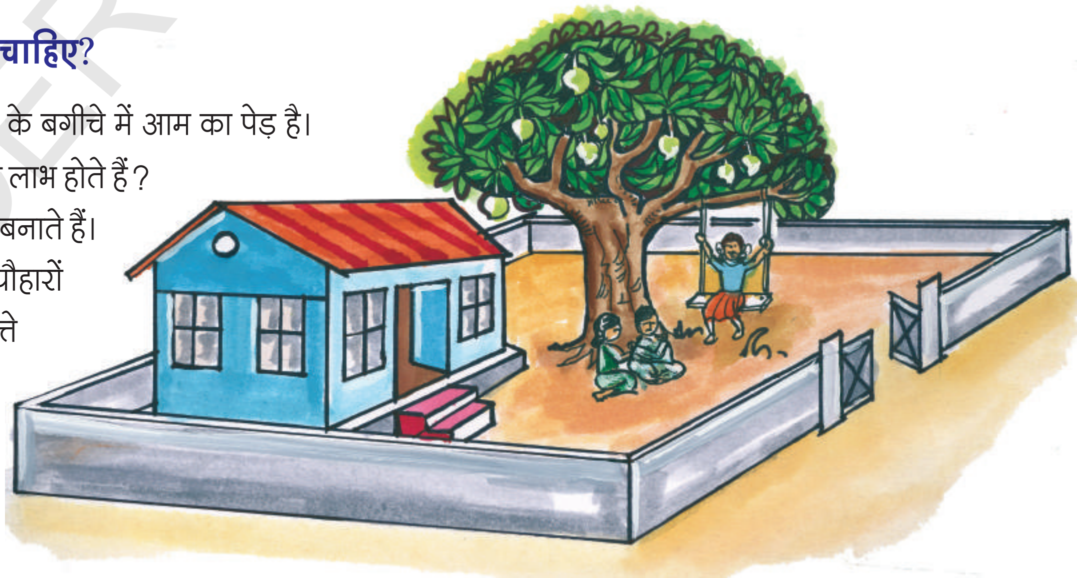

SCERT TELANGANA

आपने आम के पेड के उपयोग के बारे में पढा। निम्न पेड़ों से हमें क्या-क्या लाभ हैं, समूह में चर्चा करो और लिखो।

नारियल का पेड़

नीम का पेड़

हमारे चारों ओर नहीं बढ़ने वाले पेड़

हम तरह-तरह के फल खाते हैं। इन फलों के कुछ पेड़ हमारे प्रांतों में होते हैं। और कुछ हमारे प्रांत में नहीं होते। अखिला को सेब बहुत पसंद है। किंतु सेब के पेड़ को उसने कभी नहीं देखा। उसी तरह आसपास नहीं देखे गये पेड़ों के नाम लिखो।

सेब का पेड़

....

....

....

....

....

....

जलीय पौधे, मरुस्थलीय पौधे

सलीमा, अखिला सहेलियों के साथ मिलकर खेत गये। वहीं बगल के तालाब में कमल का फूल देखा। मछली पकड़ने वाले सोमय्या ने उन्हें कमल का फूल तोड़कर दिया। घर को लौटते समय रास्ते में अखिला एक पौधे को देखकर रुक गयी। "इस पौधे को देखो , कितना अजीब है। पत्ते नहीं है। बहुत सारे काँटें हैं, यह क्या है?" – सलीमा से पूछा। सलीमा ने क्या कहा होगा? ये अंदाजा लगाइए।

नीचे दिए गए चित्रों को देखिए :

कुमुदिनी (Water Lilly)

कमल (Lotus)

पादपवंश (Aloevera Plant)

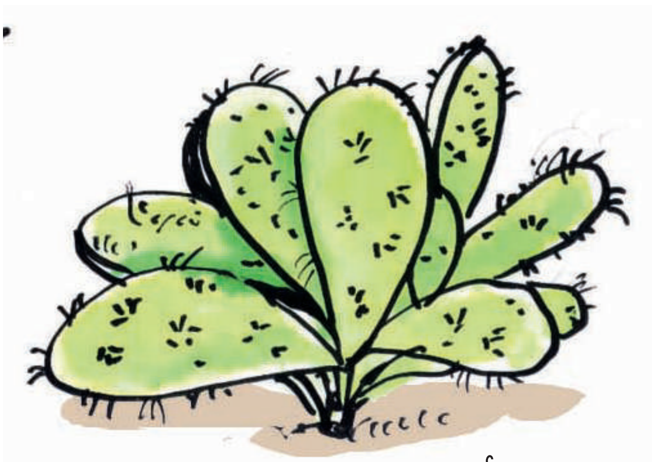

नागपर्ण (Cactus)

कुमुदिनी, कमल आदि पानी में उगते हैं। इन्हें 'जलीय पौधे' कहते हैं। नागपर्ण, पादपवंश आदि पानी की कमी पाये जाने वाले क्षेत्रों में, रेती में बढ़ते हैं। इन्हें 'मरुस्थलीय पौधे' कहते हैं।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द

1. पेड़ों से होने वाले लाभ	2. पौधे गोद लेना	3. घर में उगाये जाने वाले पौधे
4. रेगिस्तानी पौधे	5. जलीय पौधे	6. घर के बाहर बढ़ने वाले पौधे

हमने क्या सीखा

- हमारे घर में, आस-पड़ोस में तरह-तरह के पौधे पाये जाते हैं।
- हमारे चारों ओर पाये जाने वाले पौधे तरह-तरह के होते हैं। कुछ बहुत ही ऊँचे बढ़ते हैं। कुछ छोटे कद के होते हैं। कुछ तो बहुत ही छोटे होते हैं।
- नीम जैसे पेड़ की शाखाएँ बड़े होती हैं। ताड़ जैसे पेड़ बिना शाखाओं के लंबे लगते हैं।
- पेड़ों से अनेक लाभ हैं। पेड़ों से फूल, फल, ईंधन आदि प्राप्त होते हैं।
- कुछ पेड़ हमारे वातावरण में नहीं बढ़ते। किंतु उनके द्वारा प्राप्त होने वाले फूल और फलों को देखते है।
- रेतीली मिट्टी में नागपर्ण, पाद्पवंश जैसे पौधे उगते हैं। इन्हें रेगीस्तानी पौधे कहते हैं।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. फूल और फल देने वाले कुछ पेड़-पौधों के उदाहरण बताओ।
2. ताड़ और आम के पेड़ के बीच क्या अंतर है?
3. चमेली और मंदार पौधों के गुण, अंतर के बारे में लिखो।
4. तुम्हारे चारों ओर न उगने वाले पेड़-पौधे कौनसे है?
5. बरगद के पेड़ और ताड़ी के पेड़ में क्या अंतर है, तालिका में लिखो।

	बरगद का पेड़	ताड़ी का पेड़
ऊँचाई		
पत्ते		
शाखाएँ		

6. सीता और लक्ष्मी के घर देखो। उत्तर बताओ।

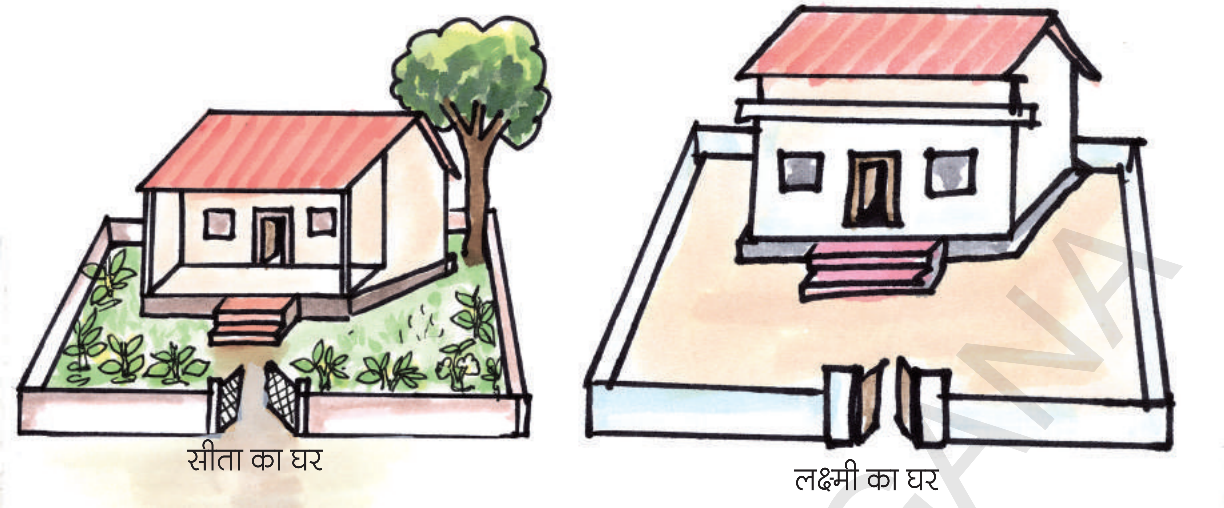

- तुम्हें किसका घर पसंद आया और क्यों?
- सीता के घर में क्या-क्या है और लक्ष्मी के घर में क्या-क्या नहीं है?
- लक्ष्मी के घर के सामने वाली खाली जगह, अगर तुम्हारे पास होती तो तुम क्या करते?

7. सीता अपने घर में पौधे उगाती है। घर साफ-सुथरा रखती है। निम्न में तुम जो करते हो उनपर '√' लगाओ।

- मैं घर में पौधे उगाता हूँ। ( )
- उन्हें हर दिन पानी देता हूँ। ( )
- डालियाँ, पत्ते तोड़ने नहीं देता। ( )
- पौधे के चारों ओर की जगह साफ रखता हूँ। ( )
- झड़े हुए पत्ते साफ करता हूँ। ( )
- मैंने पाठशाला में पौधे गोद लिये हैं। उनकी देखभाल करता हूँ। ( )

8. घर में पौधों का होना ज़रूरी है। क्योंकि ....

चित्र बनाओ। रंग भरो।

1. निम्न चित्र उतारो और रंग भरो।

2. तुम्हारे प्रांत के बहुत ही ऊँचे पेड़ का चित्र उतारो। उनमें रंग भरो।

सूचना कौशल - परियोजना कार्य

1. तुम्हारे घर के आस-पास के कितने पौधों/पेड़ों के नाम पता है? ज्ञात पेड़-पौधों के नाम लिखो। जो ज्ञात नहीं हैं, उन्हें पता करके लिखो।

2. तुम्हारे चारों ओर के पेड़/पौधे, जो फूल, फल, छाया, ईंधन देते हैं,उनके नाम लिखो।

फूल देने वाले	फल देने वाले	छाया देने वाले	ईंधन देने वाले
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

प्रशंसा

1. अगर कोई पेड़-पौधों की शाखाएँ तोड़ता है तो तब तुम क्या करोगे?

2. सलीमा की पाठशाला में बहुत सारे पौधे हैं। छुट्टी के दिनों में वह पानी देती है, देख-रेख करती है, उसी तरह तुम भी अपनी पाठशाला में एक पौधा लगाओ या गोद लो। उसे हर दिन पानी दो। एक महीने के बाद क्या हुआ, बताओ।

प्रश्न करना

1. अखिला ने जलीय पौधों के बारे में जानना चाहा। इसके लिए तालाब के पास गयी। वहाँ रामय्या दादा जी से मिली। जलीय पौधों के बारे में कुछ प्रश्न पूछे। अखिला ने क्या-क्या प्रश्न किये होंगे? उन प्रश्नों को लिखो। रामय्या दादाजी ने क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	हमारे चारों ओर के बहुत ऊँचे उगने वाले, छोटे पौधों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
2.	पेड़ों से होने वाले लाभों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	जलीय और रेगीस्तानी पौधों के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	फूल, पौधे, पेड़ के चित्र उतारकर रंग भर सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	पेड़-पौधों के बारे में प्रश्न कर सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

6. पत्तों से लगाव
(Friendly Leaves)

हमारे चारों ओर बहुत सारे पेड़ हैं। ये सभी जिस तरह भिन्न-भिन्न हैं, उसी तरह इनके पत्ते भी तरह-तरह के होते हैं। केले का पत्ता देखा है? कितना बड़ा होता! इसमें भोजन भी करते हैं। इमली का पत्ता देखा है? कितना छोटा होता! नारियल का पत्ता देखा है वह कैसा होता है, सोचो। चित्र में तरह-तरह के पत्ते हैं। क्या इन्हें पहचान सकते हो?

- चित्र में दिखायी देने वाले पत्तों के नाम लिखो।

- ये पत्ते क्या सभी एक जैसे हैं? इनमें क्या अंतर है?

पत्ते सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ बड़े, और कुछ छोटे होते हैं। उनके किनारे, सिरे भिन्न-भिन्न होते हैं।

SCERT TELANGANA

निम्न पत्तों को ध्यान से देखो। इनके किनारे, कैसे हैं, देखिए।

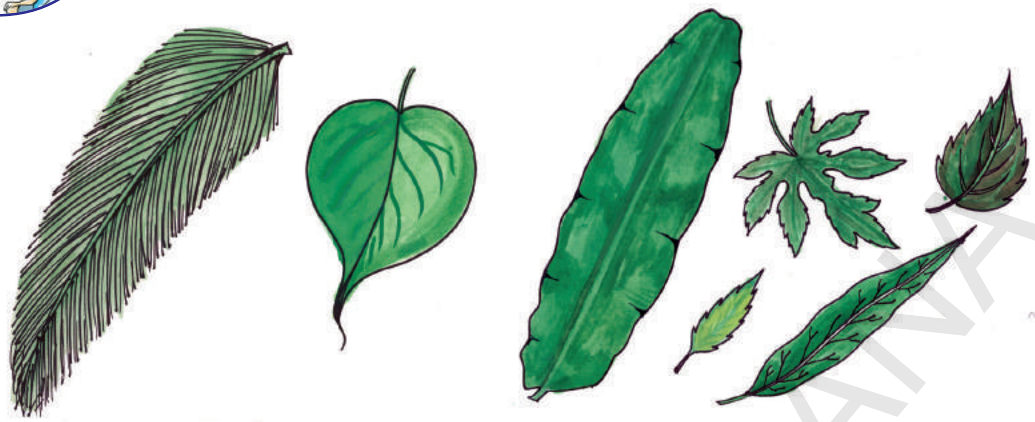

सामान्यतः कुछ पत्तों के किनारे कोमल तथा कुछ के खुरदरे होते हैं। कुछ पत्ते नोकदार, और कुछ गोलाकार में होते हैं। इसी तरह के कुछ और पत्तों के नाम बताओ।

तुम कुछ पत्ते जमा करो। जमा किये पत्तों को हाथ से कोमलता को महसूस करो। निम्न तालिका में लिखो।

कोमल पत्ते	खुरदरे पत्ते

रंग बिरंगे पत्ते

यूसुफ के घर में तरह-तरह के क्रोटान के पौधे हैं। वे तरह-तरह के रंगों के हैं। यूसुफ के घर पहुँचे राम को रंग-रंग के पत्ते देखकर आश्चर्य हुआ। रामू ने आम के पत्ते देखे। उसकी कोपले कोमल लाल रंग में, खुरदरे पत्ते हरे रंग में, झड़ने वाले पत्ते पीले दिखायी दिये। तुमने भी कभी तरह-तरह के पत्ते देखे होंगे, उनके नाम बताओ।

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें पता है?

बादाम पेड़ के पत्ते कई रंग के होते हैं।

तुम कोई पत्ता लेकर उसे ध्यान से देखो। उसका रंग, आकार, पत्ते का ऊपरी भाग, निचला भाग देखो। वे कैसे हैं? उसे हाथ से स्पर्श करने पर तुम्हें कैसा लगा? खुरदरा है या कोमल है? पत्ते की गंध सूँघो। पत्ते की गंध कैसी है? पत्ते के सिरे देखो। सिरे कैसे हैं? उसी तरह और कुछ पत्ते एकत्रित करो। उनका विवरण निम्न तालिका में लिखो।

पत्ते का नाम	कोमल पत्ते का रंग	खुरदरे पत्ते का रंग	झड़े हुए पत्ते का रंग	सिरे का आकार	ऊपरी हिस्सा	निचला हिस्सा	गंध

पत्तों का झड़ना

राबर्ट की पाठशाला में एक बड़ा पेड़ है। छुट्टी के दिनों में बच्चे उसकी छाया में खेलते थे। पेड़ में झड़ते पत्तों को राबर्ट ने देखा। बिना पत्तों के पेड़ को देखकर राबर्ट को बड़ा दुख हुआ। पेड़ पर पत्ते फिर कब आयेंगे? सोचने लगा।

किन-किन पेड़ों के पत्ते झड़ते हैं, ध्यान से देखकर बताओ।

पेड़ के पत्ते कब झड़ते हैं?

झड़े हुए पत्तों का क्या होता है?

झड़े हुए पेड़ों पर पत्ते कब आते हैं?

SCERT TELANGANA

झड़े हुए पत्तों का क्या करना चाहिए?

सामान्यतः पेड़ों के पत्ते झड़ते रहते हैं। झड़े हुए पत्तों के कारण आस-पास का वातावरण गंदा दिखायी पड़ता है। इसीलिए झाड़ू से आस-पास की जगह साफ करवाना चाहिए।

तुम्हें पता है?

झड़े हुए पत्ते, कचरे को जलाने से निकलने वाले धुएँ से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसीलिए कचरा खाद के गड्ढे में डालना चाहिए। जलाना नहीं चाहिए।

खाद का गड्ढा

राबर्ट की पाठशाला में प्रतिदिन पेड़ से झड़ने वाले पत्ते, कचरा साफ कर पाठशाला स्वच्छता समिति के सदस्य गड्ढे में भरते हैं। उसी दोपहर मध्याह्न भोजन के बाद बचा हुआ शेष पदार्थ भी उसी गड्ढे में भरते हैं। ऊपर मिट्टी फैलाते हैं। ऐसा क्यों करते हैं पता है? कुछ ही दिनों में ये सभी सड़कर खाद के रूप में बदल जाते हैं। इस खाद को पाठशाला के बगीचे में पौधों को डालते हैं।

तुम्हारी पाठशाला में कचरे का क्या करते हैं?

आहार के रूप में पत्ते

राबर्ट पाठशाला से घर आते ही रसोईघर से सब्जी पकाने की सुगंध आ रही थी। सब्जी में कडीपत्ता, हरी धनिया डालने के साथ ही सुगंध और बढ़ गयी।

सुगंध देने वाले पत्तों के नाम लिखो।

हमारे बनाये जाने वाले आहार में पत्तों के उपयोग से सुगंध के साथ-साथ अच्छा स्वाद भी प्राप्त होता है। हरी सब्जियाँ स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी है। ये कई तरह के विटामिन देते हैं। इनसे विटामिन प्राप्त होते हैं। हरी सब्जियों को बनाने से पहले अच्छी तरह से धो लेना चाहिए।

SCERT TELANGANA

नीचे दिये चित्र देखो। वे कौनसे पत्ते हैं बताओ। उनसे क्या-क्या बनाया जाता है, बताओ।

कुछ और हरी सब्जियों के नाम लिखो।

....

....

....

कौनसे पत्ते हैं बताओ!

हरी धनिया, नीलगिरि, ईमली, आँवला, नीम, तुलसी जैसे पत्ते इकट्ठा करो। एक साथी की आँख पर पट्टी बाँधों। उसके हाथ पत्ता देकर उसका स्वाद या गंध सूँघकर वह पत्ता कौनसा है, बताने के लिए कहो। कौन सबसे अधिक पत्तों को पहचान पाता है, देखो।

SCERT TELANGANA

पत्तों से सजावट

अब तक तुमने पत्तों के आकार, रंग, स्वाद, गंध आदि के बारे में जाना है!

तुम्हें पता है पत्तों से घर को कब-कब सजाया जाता है?

क्या तुम्हारे घर को इस तरह सजाया गया है? त्यौहार के दिन कमला के घर को इस तरह सजाया गया नीचे दिये गये चित्र में देखो।

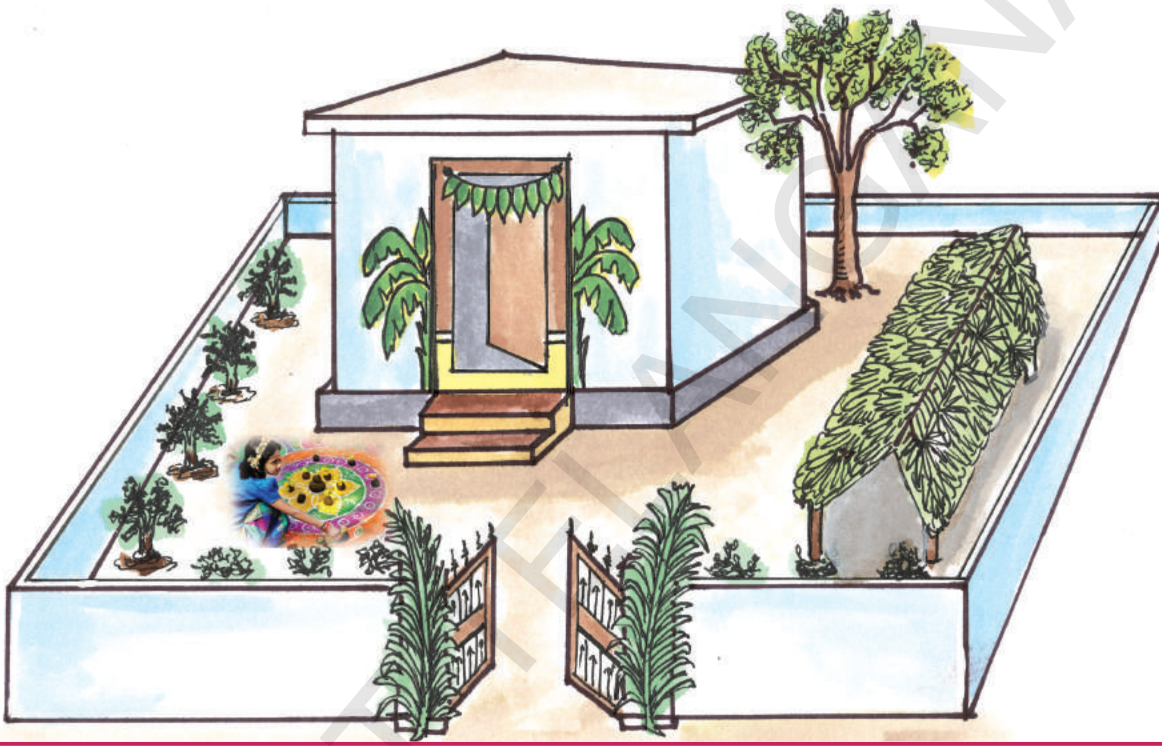

उक्त चित्र में घर को किन-किन पत्तों से सजाया गया है?

त्यौहारों के समय घर सजाने के लिए तुम किन-किन पत्तों का इस्तेमाल करते हो?

तुम्हारी पाठशाला को कब-कब पत्तों से सजाया जाता है? इसके लिए किन-किन पत्तों का उपयोग करते हैं?

हम त्यौहार, शादी के समय अपने घरों को आम के पत्ते, नारियल के पत्ते तथा केले के पत्तों से सजाते हैं। पत्तों की सजावट से घर की सुन्दरता बढ़ती है।

पत्तों से रंग

एक दिन हारिका का जन्मदिन था। नये कपड़े पहनी थी। हाथों में मेंहदी लगायी थी। पाठशाला के सभी बच्चों को अपने हाथ में लगी मेंहदी दिखाने लगी। बच्चों ने हारिका की खूब प्रशंसा की।

SCERT TELANGANA

तुम भी सुंदर मेंहदी की डिजाइन पुस्तिका में उतारें। तुम अपने परिवार के सदस्य और अध्यापिका से पूछकर और पौधों की सूची बनाओ।

पत्तों से भिन्न आकार

आपने जाना कि पत्तों का उपयोग सजावट के लिए किया जाता है, तो फिर पत्तों से तरह-तरह के आकार भी बना सकते हैं। राबर्ट पाठशाला में झड़े हुए पत्तों को इकट्ठा किया। उन्हें सफेद कागज़ पर चिपकाया। राबर्ट के द्वारा बनाये गये आकारों को देखकर बाकी बच्चे भी उसकी प्रशंसा करने लगे। राबर्ट के द्वारा बनाये गये पत्तों के आकारों को देखें।

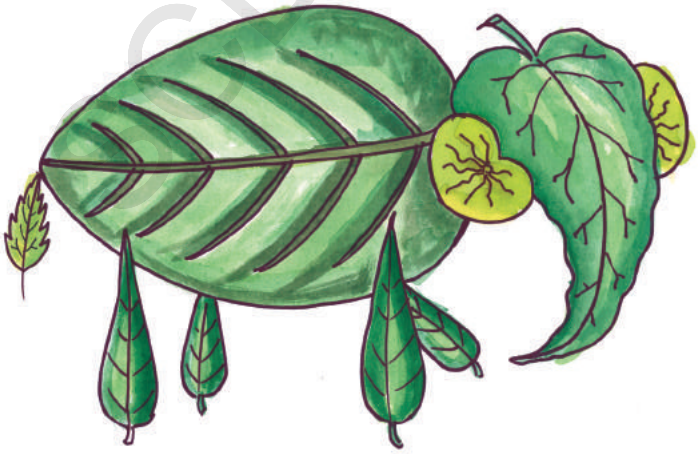

तुम भी पत्ते इकट्ठा करो। तरह-तरह के जीव-जंतुओं के आकार बनाओ। उन्हें सभी को दिखाओ। दीवार पत्रिका पर चिपकाओ।

SCERT TELANGANA

पत्तों से खेल

हारिका राबर्ट को हवा के फूल से खेलते हुए देखा। “तुमने किस दुकान से खरीदा?” हारिका ने राबर्ट से पूछा। उसने कहा-“मैंने ही बनाया है।” “मुझे भी सिखाओ न” - हारिका ने पूछा। हवा के फूल को राबर्ट ने कैसे बनाया, आओ देखें

1) सूखे हुए ताड़ी के पेड़ का पत्ता लेकर, अंगुली बराबर उसे तोड़ लो।

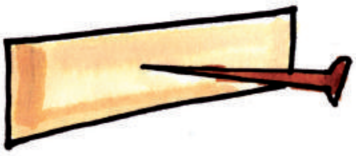

2) तोड़े हुए ताड़ी के पत्ते में एक काँटा या छोटा कीला चुभाओ।

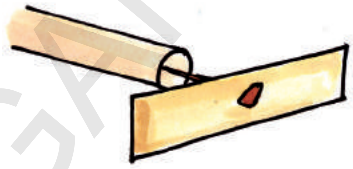

3) काँटा या छोटा कीला चुभा पत्ता एक जौ की डंठल के नरम हिस्से में चुभाओ।

4) इस तरह तैयार की गयी ताड़ी के पत्ते वाले हवा के फूल को लेकर दौड़ने पर तेजी से घूमने लगता है।

पत्तों से और क्या-क्या खेल की वस्तुएँ तैयार कर सकते हैं, अपने मित्रों से पूछकर बनाओ।

मुख्य शब्द

1. सिरे	2. किनारे	3. खुरदरापन	4. कोमलता	5. नये पत्ते
6. खाद गड्ढा	7. खाद	8. सुखे पत्ते	9. सजावट	

हमने क्या सीखा

- पत्ते तरह-तरह के होते हैं। कुछ पत्तों के सिरे कोमल तथा कुछ के खुरदरे होते हैं।
- सामान्यतः कोंपले कोमल लाल रंग में, बाद में हरे रंग में, झड़ने वाले पत्ते पीले रंग में होते हैं।
- कड़ीपत्ता, हरी धनिया, पालक, चौराई जैसी हरी सब्जियाँ खाने से स्वास्थ्य को बहुत लाभ पहुँचता है। हरी सब्जियों को पकाने से पहले अच्छी तरह से धो लेना चाहिए।
- केला, आम जैसे पेड़ों के पत्ते सजावट के लिए इस्तेमाल में लाया जाता है। मेंहदी हथेलियों पर लगायी जाती है।
- झड़े हुए पत्तों को जलाये बिना, खाद गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढकना चाहिए।

SCERT TELANGANA

इन्हें करो

विषय की समझ

1. खुरदरे किनारे वाले कुछ पत्तों के उदाहरण लिखो।
2. मंदार, कमल के पत्तों के बीच क्या अंतर हैं, लिखो।

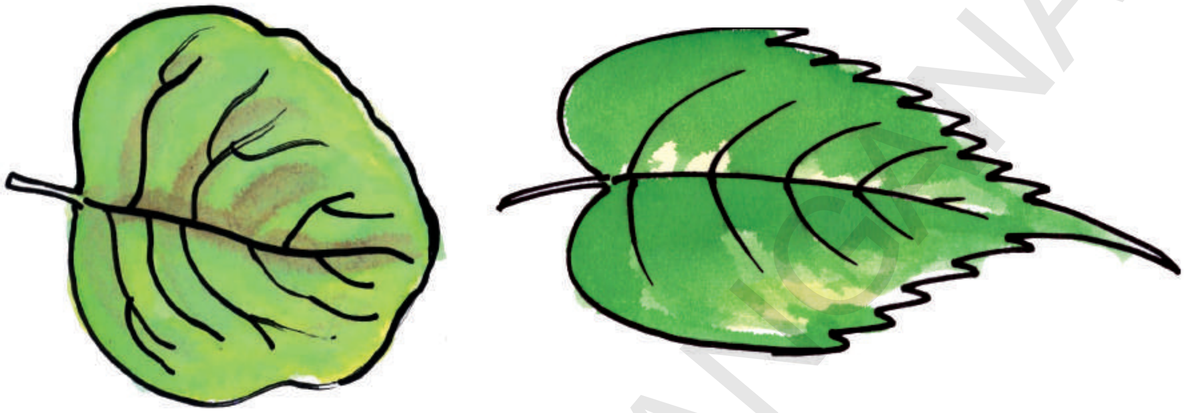

3. आहार के रूप में उपयोग करने वाले चार तरह के पत्तों के उदाहरण बताओ।
4. नीचे दी गयी तालिका में कुछ पत्तों के नाम हैं, वे कौनसे हैं?

ह	री	ध	नि	या	क
इ	म	ली	पु	दी	रि
चौ	रा	ई	सा	ग	या
नी	म	मे	थी	रा	पा
पु	दी	ना	के	ला	क
आ	म	तु	ल	सी	म

- इनमें किन्हें गंध द्वारा पहचान सकते हो?
- सजावट के लिए किनका उपयोग करते हैं?

5. कुछ पत्तों के नाम लिखकर, उनका उपयोग क्यों करते हैं, लिखो।
6. झड़े हुए पत्तों का क्या करना चाहिए?

SCERT TELANGANA

चित्र उतारो। रंग भरो।

1. तुम्हारी पसंद के किन्हीं दो पत्तों के चित्र उतारकर उनके नाम लिखो।
2. नीचे दिये चित्र उतारो। रंग भरो।

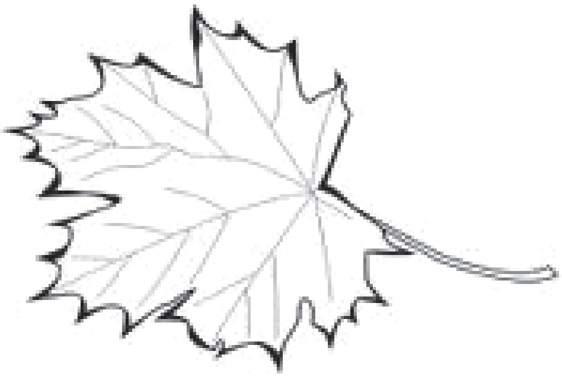

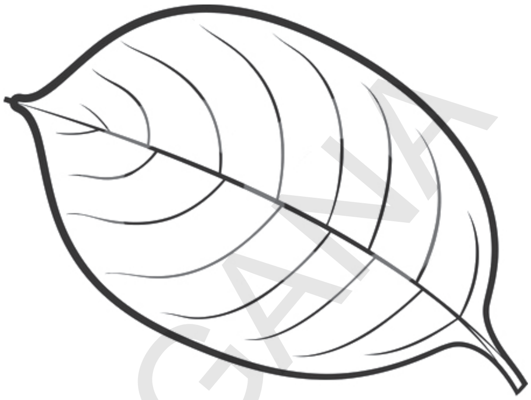

सूचना कौशल - परियोजना कार्य

1. तुम्हारे मित्रों के घरों में पिछले दो दिनों से कौन-कौन सी हरी सब्जियाँ पकायी गयीं, उनकी जानकारी इकट्ठा कर तालिका में लिखो।

क्र. सं.	मित्र का नाम	हरी सब्जी का नाम	पकाये गये पदार्थ का नाम

- कितने लोगों के घरों में हरी सब्जियाँ पकायी गयीं?
- सबसे अधिक घरों में कौन सी हरी सब्जी पकायी गयी?

2. पत्तों से विभिन्न तरह के आकार बनाओ। चार्ट पर चिपकाओ। कक्षा में दिखाओ।
3. कुछ पत्तों को इकट्ठा कर, कॉपी में चिपकाकर एक सप्ताह तक रखो। चार्ट पर चिपकाओ। कक्षा में दिखाओ।

SCERT TELANGANA

करके देखो - क्या हुआ बताओ।

1. मंदार का पत्ता घिसकर बांईं हथेली पर मेंहदी घिसकर दांईं हथेली पर लगाओ। दो घंटे बाद देखो क्या होता है? क्या हुआ बताओ।
2. किसी एक पत्ते को पंद्रह दिन तक कॉपी में रखो। किस तरह के बदलाव आते हैं, देखो?
3. परिसर में मिलने वाले पत्तों को गरम पानी में डालो। थोड़ी देर बाद क्या बदलाव आये, लिखो।

प्रशंसा

1. तुम्हारी कक्षा में पत्तों से कौन अच्छे खिलौने बना सकते हो कौन-कौन से खिलौने बनाये? तुम्हें क्यों लगा कि वे अच्छे हैं?
2. तुम्हारे घर में या पाठशाला में पत्ते झड़ने पर तुम क्या करते हो?

प्रश्न करना

1. नीरजा के घर हरिणी गयी। उसके घर में तरह-तरह के पौधों के पत्ते देखे। कुछ पत्ते देखकर आश्चर्यचकित रह गयी। उनके बारे में नीरजा से पूछा। हरिणी ने क्या-क्या प्रश्न पूछे होंगे? वे प्रश्न लिखो। नीरजा ने क्या उत्तर दिये होंगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	पत्तों का वर्गीकरण कर सकता हूँ। (भिन्नता के आधार पर)	हाँ / नहीं
2.	पत्तों के उपयोग के बारे में बता सकता हूँ।	हाँ / नहीं
3.	तरह-तरह के पत्ते उतार सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	पत्तों से जुडी जानकारी इकट्ठा कर, तालिका में लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं
5.	हरी सब्जियाँ खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। हर दिन हरी सब्जियाँ खाऊँगा।	हाँ / नहीं
6.	पत्तों के बारे में प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ / नहीं

SCERT TELANGANA

इकाई 2

7. हमारा आहार !
(The Food We Eat)

रवि दो दिन से पाठशाला नहीं आया। दो दिन बाद वह पाठशाला आया। मध्याह्न भोजन के समय में रवि के पास रामु, मेरी, रोजा आयी

रोजा : रवि! दो दिन से पाठशाला क्यों नहीं आये?

रवि : मेरी मामा की शादी के लिए नेल्लूर गया था। इसीलिए नहीं आ पाया।

मेरी : अपने मामा की शादी में गये थे! शादी धूम-धाम से हुई?

रवि : हाँ! बढ़िया हुई। सुबह, दोपहर, रात को तरह-तरह के पकवान बनाये गये।

रामु : शादी में क्या-क्या खाया?

रवि : बहुत तरह के पकवान खाये।

रवि ने शादी में क्या-क्या खाया है, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सुबह	दोपहर	शाम	रात्रि

शादी में खाने वाली सभी पदार्थ क्या हम घर में हर दिन खाते हैं? क्यों?

SCERT TELANGANA

तुम अपने घर में हर दिन क्या-क्या खाते हो, नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

सुबह	दोपहर	शाम	रात

प्रतिदिन आप कब खाते हो? सुबह आप क्या खाते हो? दोपहर में आप क्या खाते हो? क्या आप शाम में भी खाते हो? आप रात में क्या खाते हो? परसों, कल और आज खाये गये पदार्थों में नीचे दी गयी तालिका भरो।

दिन	सुबह	दोपहर	शाम	रात
आज				
कल				
परसों				

हम क्यों खाते हैं?

रवि सुबह देरी से उठा। जल्दी-जल्दी नहा-धोकर पाठशाला गया। कहीं देरी न हो जाये इस लिए बिना खाये पाठशाला चला गया। रवि को पाठशाला में क्या महसूस हुआ होगा।

तुम कभी बिना खाये पाठशाला गये हो? तब तुम्हें क्या लगा होगा?

क्या आप जानते हो, हम खाना क्यों खाते है? हम प्रतिदिन कई काम करते हैं। चलना, खेलना,दौड़ना, पानी लाना जैसे काम करते हैं। ये सभी काम करने के लिए हमें ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिए हमें आहार की आवश्यकता पड़ती है।

हमारा आहार कहाँ से प्राप्त होता है?

हमारा द्वारा खाये जाने वाला आहार कहाँ से प्राप्त होता है? हम आहार के रूप में हरी सब्जियाँ, फल, आलू जैसी चीज़ें खाते हैं। उसी तरह जीव-जंतुओं द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ें जैसी दूध, अंडे, मांस का भी सेवन करते हैं।

बगल के पृष्ठ में चित्र हैं, उन्हें देखो। वे क्या हैं, बताओ। जंतुओं के द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ों पर '◯' लगाओ। पौधों द्वारा प्राप्त होने वाली चीज़ों पर √ लगाओ।

SCERT TELANGANA

पौधों से प्राप्त होने वाली चीज़ें कौनसी हैं? जीव-जंतुओं से प्राप्त होने पदार्थ कौनसे है?

रवि की माँ ने उसे भोजन परोसा। अंडे की सब्जी बनायी थी। रवि ने अपनी माँ से पूछा कि अंडे की सब्जी कैसे बनायी जाती है। अंडे की सब्जी में अंडा, हरी मिर्च, तेल, हल्दी, प्याज़, टमाटर आदि डालकर बनाया जाता है। इसमें अंडा मुर्गी द्वारा प्राप्त होता है। उसी तरह हरी मिर्ची, हल्दी, प्याज़, टमाटर आदि पौधों से प्राप्त होता है। नीचे कुछ आहार पदार्थ के नाम दिये गये हैं। वे किनसे प्राप्त होते हैं उन पर √ लगाओ।

आहार पदार्थ	जीव–जंतुओं से प्राप्त	पौधों से प्राप्त	दोनों से प्राप्त
भोजन			
चिकेन बिरयानी			
दाल			
सांबर			
आमलेट			
करेला			
आलू की सब्जी			
घी			
केक			
ब्रेड			
दही			
दूध			
दही का आचार			
आम का अचार			
मछली की सब्जी			
मुर्गे की सब्जी			

SCERT TELANGANA

हम आहार पकाकर क्यों खाते हैं?

आहार कहाँ से आता है? आपने जाना कि तो फिर, पकाकर खाये जाने वाले आहार और बिना पकाये खाये जाने वाले आहार कौनसे हैं, पता लगाइए।

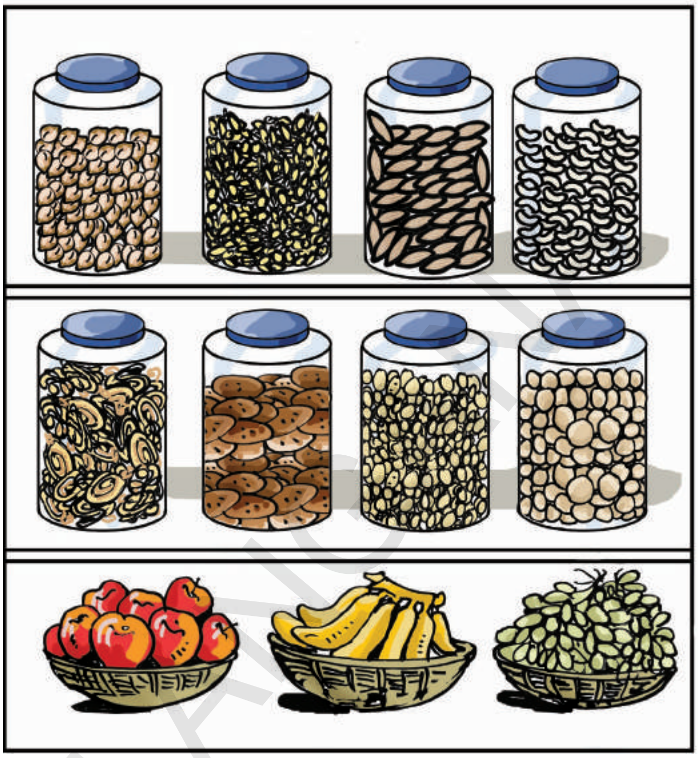

मेरी शाम को पाठशाला से घर आयी। मेरी के साथ उसकी सहेली रोजा, रवि, रामु, भी आये। मेरी अपनी माँ से खाने के लिए कुछ माँगा। माँ ने बच्चों को रसोई के भंडारे में रखी चीज़ों में से मनपसंद चीज़ लेकर खाने के लिए कहा। मेरी ने भंडारे में क्या-क्या देखा होगा? क्या-क्या खाया होगा सोचो। नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

देखी हुई	खायी हुई

ऊपर दी गयी चीज़ों में तुम्हें क्या पसंद है, उनके नाम लिखो।

हम हर दिन चावल, दाल, सब्जी, चने की दाल इस तरह के पदार्थों का सेवन करते रहते हैं। उनमें पकाकर खायी जाने वाली और बिना पकाये खाये जाने वाले चीजे खायी ही होंगे।

तुम्हारे द्वारा पकाकर खाये जाने वाले और बिना पकाकर खाये जाने वाले पदार्थ क्या हैं, तालिका में लिखो।

पकाकर खाये जाने वाले	बिना पकाये खाये जाने वाले

कुछ आहार पदार्थ पकाकर खाते हैं। और कुछ बिना पकाये खाते हैं। इस तरह आहार पदार्थों को पकाकर क्यों खाया जाता है, सोचो।

पकाने से आहार का स्वाद बढ़ जाती है। आसानी से पचता है। बिना पकाये खाने से कुछ चीजें नहीं पचती। आहार पदार्थों को गरम करके खाना चाहिए। अधिक गरम करने से उन पदार्थों के पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

भोजन बनाने के लिए किन बर्तनों का उपयोग करते है?

खाना पकाना हो या दाल, सब्जी इस तरह कुछ भी बनाने के लिए बर्तन चाहिए। खाना पकाने के लिए तुम्हारे घर में क्या-क्या बर्तन हैं, देखा क्या?

नीचे दिया गया चित्र देखो। इस चित्र में तरह-तरह के बर्तन हैं। चित्र में बिंदु वाले हिस्से को अपने मनचाहे रंग से भरो। रंग भरने के बाद कौन-कौन से बर्तन दिखायी देते हैं, बताओ।

क्या-क्या बर्तन दिखायी दिये? उनके नाम बताओ। उनसे क्या-क्या किया जाता है?

SCERT TELANGANA

इस तरह के पकाने वाले बर्तन तुम्हारे घर में भी होंगे। उनके नाम नीचे दी गयी तालिका में लिखो।

पकाने वाले बर्तन का नाम	किसके लिए उपयोग में लाया जाता है।

क्या आपने नीचे दिये बर्तन कभी देखा हैं? इनका उपयोग क्या-क्या बनाने के लिए किया जाता है? उनके बारे में पता लगाकर बताओ।

बिजली कुकर

इंडक्शन चूल्हा

माइक्रो ओवन

इड्ली बर्तन

SCERT TELANGANA

क्या सभी चीज़ें एक जैसे ही पकायी जाती है?

निखिल रसोईघर में गया। पिताजी बैंगन काट रहे थे। काटे हुए बैंगन पानी में डाल रहे थे। "कटे हुए टुकड़े से पिताजी आप क्या बना रहे हैं?"- "निखिल ने पूछा। बैंगन की सब्जी बना रहा हूँ"– पिताजी ने कहा। निखिल भी टमाटर, हरी मिर्च देते हुए पिताजी की सहायता करने लगा। पिताजी ने उन्हें धोने के लिए कहा। निखिल ने ऐसे ही किया। टमाटर, हरी मिर्च, हरी धनिया को छोटे–छोटे टुकड़े किये। उसके बाद बैंगन की सब्जी बनायी। निखिल के पिता ने बैंगन की सब्जी कैसे बनायी होगी, सोचो।

बैंगन की सब्जी किन–किन के घर में किस–किस तरह बनायी जाती है? पता लगाकर बताओ।

सभी आहार पदार्थ एक ही तरह नहीं बनाये जाते। तरह–तरह के आहार पदार्थ बनाने की विधि अलग–अलग होती है। नीचे दिये आहार पदार्थ देखो। इन्हें कैसे बनाया जाता है, बताओ।

चावल,दाल जैसे आहार पदार्थ उबाले जाते हैं। मिर्ची की पकौड़ी, समोसा जैसी चीज़ें तेल में पकाये जाते हैं। मकई के दाने, रोटी, माँस, आदि आग पर जलाये जाते हैं। इड्ली भाप पर बनायी जाती है। अचार, दही अचार जैसी चीज़ें बिना गरम किये नमक मिलाकर बनाया जाता है। इस तरह के आहार पदार्थ अलग–अलग विधियों में बनायी जाती है। तुम्हारे घर में किन चीज़ों को कैसे बनाया जाता है, बताओ।